(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बुधवार, 15 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 270 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बंटी और बबली 2 फिल्म से ...8

प्रधानमंत्री के दिल के साथ जुड़े मुद्दे को मूर्त रूप देने में लगे सिंधिया, 2030 तक भारत बनेगा दुनिया का ड्रोन हब

कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए ग्वालियर राजघराने से ताल्लुक रखने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को मोदी सरकार में मंत्री बनाया गया है। कैबिनेट विस्तार में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। इस महकमे का काम ही देश की हवाई सीमाओं में होने वाले कामों के निर्धारण का होता है। पहले तो हवाई जहाजों तक ही ये सीमित था लेकिन अब ड्रोन के भी इसके दायरे में आने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय और ज्योतिरादित्य सिंधिया दोनों का काम बढ़ गया है। भारत को 2030 तक ड्रोन प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य: नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को 2030 तक ड्रोन प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा, ''भारत इस क्रांति में अग्रणी बनने जा रहा है। हमारा लक्ष्य भारत को 2030 तक ड्रोन प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाना है।'' उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ऐसा तीन कारणों से काफी संभव है। एक, हमारी इंजीनीयरिंग प्रतिभा। दूसरा, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारी मजबूती।तीसरा, हमारी युवा आबादी। भारत की 70 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम आयु की है।'' इससे पहले, उन्होंने यहां विकारबाद के पास 'मेडिसींस फ्रॉम द स्काई' परियोजना की शुरूआत की, जिसके तहत ड्रोन के जरिए दवाइयां और टीके पहुंचाए जाएंगे। सहूलियत लाने की क्षमता रखती है ड्रोन टेक्नोलॉजी : ड्रोन तकनीक सभी की जिंदगी में कई सुविधाएं लाने की क्षमता रखती है। जिसको लेकर नियम भी बना दिए गए हैं और उड़ान मार्ग भी निर्धारित किए जाएंगे। कृषक जगत के ड्रोन से संबंधित सवाल पर सिंधिया ने एक बार कहा भी था कि कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी प्रधानमंत्री के दिल के साथ जुड़ा मुद्दा है। जिस तरह से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) ने पूरे विश्व की कार्य प्रणाली को बदल कर रख दिया, वैसे आने वाले दशक में ड्रोन टेक्नोलॉजी हमारी–आपकी जिंदगी में सहूलियत लाने की क्षमता रखती है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि आने वाले पांच सालों में देश में लाखों की संख्या में पंजीकृत ड्रोन होंगे जो देश के सिस्टम को और अधिक रफ्तार देने का काम करें। कोई भी डिलीवरी सड़क पर चलकर आने की बजाय हवा में उड़ते हुए होगी तो इसकी रफ्तार भी तेज होगी। ऐसे में इसका श्रेय और किसी को नहीं बल्कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को ही जाता है।

काशी वासियों को नई परियोजनाओं का सौगात देंगे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी अक्टूबर महीने में काशी वासियों को ढेर सारी नई परियोजनाओं का सौगात देने आ सकते हैं। काशी की विकास के कार्य तेज गति से हो रहे हैं। बनारस में चल रहे प्रोजेक्ट में से रिंग रोड परियोजना सहित अन्य परियोजनाओं को अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। सूत्रों के हवाले से यह पता चल रहा है कि प्रधानमंत्री शारदीय नवरात्र के पहले या उसके बाद बनारस दौरे पर आ सकते हैं। इसके लिए प्रशासन ने भी अपनी कमर कस ली है। इसके साथ ही बनारस में सितंबर महीने तक सर्किट हाउस और बेनियाबाग मल्टी लेवल पार्किंग के अलावा सिटी के 2 दर्जन से भी ज्यादा परियोजनाएं पूरी कर लिए जाएंगे। इसके पहले जुलाई एवं अगस्त में तरना शिवपुर में सीवर लाइन के स्थानांतरण कार्य, पशुधन फार्मो का सुदृढ़ीकरण, एसटीपी रामनगर का कार्य, वरुणा नदी के चौनेलाइजेशन एवं तटीय विकास के सारे कार्य को पूरा कर लिया गया है। बीएचयू में छात्रों के लिए स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का निर्माण, बीएचयू में 208 कमरों का गर्ल्स हॉस्टल, पलाही पट्टी में निर्माण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरकारी कॉलेज एवं स्मार्ट सिटी में घाटों के रिवाइटलाइजेशन के कार्य को भी पूरा कर लिया गया है। जिलाधिकारी से हुए बातचीत में जिला अधिकारी कौशल शर्मा ने बताया कि परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए लगातार बिना रुके समीक्षा की जा रही है और दो दर्जन से ज्यादा प्रोजेक्ट जुलाई से लेकर अगस्त महीने में पूरे हो चुके हैं। सितंबर माह तक मल्टीलेवल पार्किंग का काम भी पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही अक्टूबर महीने तक रिंग रोड निर्माण का कार्य पूरा हो चुका होगा।

वैश्विक मंच पर हिंदी लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को देशवासियों को बधाई दी और कहा कि सभी के प्रयासों से यह वैश्विक मंच पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''आप सभी को हिंदी दिवस की ढेरों बधाई। हिंदी को एक सक्षम और समर्थ बनाने में अलग–अलग क्षेत्रों के लोगों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। यह आप सबके प्रयासों का ही परिणाम है कि वैश्विक मंच पर हिंदी लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही है।'' हिंदी को 14 सितंबर 1949 को राजका दर्जा दिया गया, लिहाजा इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा ने देवनागरी लिपि वाली हिंदी के साथ ही अंग्रेजी को भी आधिकारिक के रूप में स्वीकार किया था लेकिन 1949 में 14 सितंबर के दिन संविधान सभा ने हिंदी को ही भारत की राजघोषित किया। हालांकि पहला हिंदी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया।

गुजरात के राजकोट, जामनगर में भारी बारिश, 200 से अधिक लोगों को बचाया गया

अहमदाबाद। गुजरात के राजकोट और जामनगर जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश हुई और बाढ़ में फंसे हुए 200 से अधिक लोगों को बचाया गया जबकि दोनों जिलों में सात हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण जामनगर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ जिलों से गुजरने वाले 18 राज्य राजमार्ग बंद कर दिए गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बाद कई गांवों का संपर्क सड़कों से टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि फोफल नदी पर बना हुआ एक पुल गिर गया, जिससे राजकोट जिले में जाम कंडोरना और गोंडल को जोड़ने वाली सड़क बंद हो गई। राजकोट और जामनगर में रातभर बारिश के बाद मंगलवार को दोनों जिलों में बारिश कुछ कम हुई, जबकि पड़ोसी जूनागढ़ जिले में दिन में भारी बारिश होने की खबर मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राजकोट और जामनगर जिले का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे। अधिकारियों के अनुसार भारी बारिश से बुरी तरह प्रभावित दोनों जिलों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों की ओर से चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ), नौसेना और तटरक्षक बल को बुलाया गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने एक ताजा बुलेटिन में कहा कि राजकोट के लोधिका तालुका में मंगलवार सुबह छह बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में सबसे अधिक 516 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई। एसईओसी ने कहा कि सौराष्ट्र के जूनागढ़ जिले के विसावदर तालुका में 468 मिमी बारिश हुई, जबकि जामनगर के कलावाड़ में 406 मिमी, राजकोट तालुका में 325 मिमी और राजकोट के धोराजी में 250 मिमी बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने जामनगर जिले के कई स्थानों में फंसे हुए 22 लोगों को बचाया। जिले में कुल 150 लोगों को बचाया गया।

उन्होंने बताया कि वायु सेना ने राजकोट में भी सात ग्रामीणों को बचाया जबकि जिले में कुल 56 लोगों को बचाया गया। राजकोट के जिलाधिकारी अरुण महेश बाबू ने कहा, ''नौसेना की एक टीम सोमवार को राजकोट में पानी के तेज बहाव में कार के बह जाने के बाद लापता हुए दो लोगों की तलाश के लिए अभियान में मदद कर रही है।'' जामनगर के जिलाधिकारी सौरभ पारधी ने कहा कि नौसेना और तटरक्षक बल की टीमों ने भी जामनगर प्रशासन की शहर में 150 से 160 लोगों को बचाने में मदद की क्योंकि स्थानीय बचाव दल जल स्तर में वृद्धि के कारण वहां नहीं पहुंच पाए। गुजरात में मानसून के मौसम में सामान्य रूप से होने वाली बारिश का इस बार 69.24 प्रतिशत ही हुआ है। एसईओसी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में इस महीने अब तक 219.2 मिमी बारिश हुई है। अगस्त में 65.3 मिमी, जुलाई में 176.7 मिमी जबकि जून में 120.4 मिमी बारिश हुई थी।

अखिलेश ने बीजेपी को चुनाव चिन्ह बदलकर बुलडोजर रखने की दी नसीहत

कहा- विकास की राह पर यूपी तभी चल सकता है जब सपा सरकार आएगी

अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज मंहगाई कितनी हो गई है। दाल, सरसों का तेल कितना मेहनत हो गया। सरकार से जब पूछा गया कि सरसों का तेल मंहगा क्यों हो गया? तो सरकार कहती है कि हमने इसमें मिलावट नहीं की है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं और सभी दल यूपी में आ रहे हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है और सपा की सरकार आएगी। भाजपा उद्योगपतियों की पार्टी है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को अपना चुनाव चिन्ह बदलकर बुलडोजर रख लेना चाहिए। ये सबसे बड़ी उपलब्धि सरकार की है कि इनके पास बुलडोजर है। बुलडोजर में स्ट्रेरिंग होता है। अभी बुलडोजर इधर चल रहा है। स्ट्रेरिंग घूम जाएगा तो बुलडोजर किधर चलेगा। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री आवास बना हुआ है उसका भी नक्शा पास नहीं है। ऐसी लंबी सूची होगी। सपा अध्यक्ष ने फैजाबाद–अयोध्या के गरीबों का जिक्र करते हुए कहा कि रात में उनका घर छीन लिया गया। रात में बुलडोजर चला दिया गया। सरकार मनमानी कर रही है और कानून को नहीं मान रही है। अखिलेश ने कहां कि जब कभी भी समाजवादी सरकार प्रदेश में बनेगी तो आपके घर जो तोड़े गए हैं वो वहीं बनाकर दिए जाएंगे। आज नए विश्वविद्यालय का पीएम द्वारा उद्घाटन किए जाने पर तंज कसते हुए सपा मुखिया ने कहा कि आजीवन साम्प्रदायिकता और संकीर्ण राजनीति के विरोधी रहे व भाजपा के पूर्वगामियों की जमानत जब्त कराने वाले राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के नाम पर नया विश्वविद्यालय बनाना भाजपाई ढोंग है जबकि उनके बनाए गुरुकुल विवि. वृंदावन को भाजपा सरकार ने नकली विवि घोषित करके उनका अपमान किया है।

यूपी में पीएम मोदी के नेतृत्व में बनी थी सरकार, 1.61लाख नौजवानों को मिला रोजगार: योगी आदित्यनाथ

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरी दुनिया जब कोरोना महामारी से त्रस्त है तब देश के भीतर जीवन

और जीविका दोनों को भी बचाने का एक अद्भुत प्रबंधन और मार्गदर्शन हुआ। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि देश में 75 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में जितना बेहतरीन प्रबंधन भारत ने किया है वो विश्व के सामने एक मिसाल बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी।

'महिला विरोधी सोच के अगुवा' हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश में 'महिला विरोधी अपराधों' का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'महिला विरोधी सोच के अगुवा' हैं। उन्होंने हाथरस में एक साल पहले दलित युवती के साथ हुए कथित दुष्कर्म एवं हत्या के मामले का उल्लेख करते हुए ट्वीट किया, ''आज से एक साल पहले हाथरस में बलात्कार की भयावह घटना घटी थी और उप्र सरकार ने परिवार को न्याय व सुरक्षा देने की जगह धमकियां दीं थीं और उनसे बेटी के ससम्मान अंतिम संस्कार का हक भी छीन लिया था।'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी के मुताबिक, उस वक्त सरकार के अधिकारियों व भाजपा के नेताओं ने बयान देकर बलात्कार न होने जैसी बातें कही थीं व पूरी सरकारी मशीनरी की ऊर्जा पीड़िता का चरित्र हनन करने में खर्च की गई थी। प्रियंका ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया, ''महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर इतना खराब रुख रखने वाली सरकार के मुखिया से आप संवेदनशीलता की आस रख भी कैसे सकते हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वैसे भी उप्र के मुख्यमंत्री महिला विरोधी सोच के अगुआ हैं। वो कह चुके हैं कि महिलाओं को स्वतंत्र नहीं होना चाहिए।

देश में कोविड–19 के 25,404 नए मामले, 339 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 25,404 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,32,89,579 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 3,62,207 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 339 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,43,213 हो गई। उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 3,62,207 हो गई है, जो कुल मामलों का 1.09 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 12,062 मामलों की कमी आई।

मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.58 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल 54,44,44,967 नमूनों की कोविड–19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 14,30,891 नमूनों की जांच सोमवार को की गई। दैनिक संक्रमण दर 1.78 प्रतिशत है, जो पिछले 15 दिन से तीन प्रतिशत से कम बनी है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर 2.07 प्रतिशत है, जो पिछले 81 दिन से तीन प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल 3,24,84,159 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–19 मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कोविड–19 रोधी टीकों की कुल 75.22 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए।

देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। आंकडों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में जिन 339 लोगों की मौत हुई, उनमें से हरियाणा के 121, केरल के 99 और महाराष्ट्र के 27 लोग थे। हरियाणा की स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक वीणा सिंह ने बताया कि आंकडों के पुनरूमिलन के बाद सोमवार को संक्रमण से मौत के 121 मामले सामने आए।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक 4,43,213 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के 1,38,169, कर्नाटक के 37,517, तमिलनाडु के 35,190, दिल्ली के 25,083, उत्तर पद्रेश के 22,883, केरल के 22,650 और पश्चिम बंगाल के 18,587 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

विवि के तृतीय श्रेणी कर्मचारियों ने विभिन्न पदों पर दाखिल किया नामांकन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी परिषद की तृतीय श्रेणी की चुनाव प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई। प्रत्याशियों ने विभिन्न पदो के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ0 राजेश कुमार सिंह, श्रीमती कृतिका निषाद, उपाध्यक्ष के पद के लिए संजीव कुमार श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र विश्वकर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वही महामंत्री पद के लिए विपिन यादव, अनिल कुमार दुबे, श्याम कुमार एवं मनोज कुमार श्रीवास तथा संयुक्त मंत्री पद के लिए विवेक कुमार सिंह वल्लभी तिवारी ने नामांकन भरा। साथ ही संगठन मंत्री पद के लिए सुरेन्द्र प्रसाद एवं निहारिका श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष पद के लिए श्याम लाल तथा अनिल कुमार गौतम ने पर्चा दाखिल किया। विश्वविद्यालय के चुनाव अधिकारी सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों ने दिन 12 बजे से 3 बजे तक पर्चा दाखिल किया है। उसके उपरांत 3:30 बजे से 4:30 बजे तक प्रत्याशियों के नामाकंन पत्रों की जॉच की गई। चुनाव प्रक्रिया में सामान्य प्रशासन के प्रभारी डॉ0 मोहन चन्द्र तिवारी, शैक्षणिक विभाग के वरिष्ठ सहायक विष्णु प्रताप यादव एवं सामान्य प्रशासन के कनिष्ठ सहायक शरीफ अहमद का विशेष सहयोग रहा। 14 सितम्बर को 12 बजे से 2 बजे तक प्रत्याशियों द्वारा नाम वापसी की जायेगी। चुनाव में मतदान 16 सितम्बर को 11 बजे से 2:30 बजे तक होगा। उसके पश्चात मतगणना एवं विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी जायेगी।

कृषि विवि की सलाह, किसान करें सरसों की खेती

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व एवं दिशा निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि किसानों के लिए सरसों की खेती मुनाफे का सौदा है। इस बार सरसों की जबरदस्त कीमत मिली है और पूरे साल भाव उच्चतर स्तर पर बने रहे। इस बार मिली अच्छी कीमत को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि आगामी सीजन में सरसों की पैदावार में भारी बढ़ोतरी होगी। कुछ किसान अगेती सरसों की खेती की तैयारी शुरू कर चुके हैं। सस्य वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि जिन्हें फरवरी माह में गन्ना, अगेती सब्जियां और जनवरी में प्याज व लहसुन की खेती करना चाहते हैं, ऐसे किसान अपनी खेतों को खाली रखते हैं। उनके लिए सरसों की अगेती खेती काफी लाभदायक हो सकती है, और वे अतिरिक्त मुनाफा हासिल कर सकते है। डॉ सिंह के मुताबिक, इस तरह के खेत सितंबर से लेकर जनवरी तक खाली रहते हैं। ऐसे में किसान भाई कम समय में पककर तैयार हो जानी वाली भारतीय सरसों की अच्छी प्रजाति लगाकर मुनाफा कमा सकते हैं। डॉ सिंह बताते हैं कि पूसा ने कुछ किस्मों को विकसित किया है, जो जल्द पककर तैयार हो जाती हैं और उत्पादन भी अधिक मिलता है। विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि अधिक उत्पादन देने वाली किस्में के बारे मे कृषि शस्य विशेषज्ञ डॉ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि किसान भाई पूसा अग्रणी किस्म की खेती कर सकते हैं, यह 110 दिन में पक कर तैयार हो जाती है और एक हेक्टेयर में 13.5 क्विंटल पैदावार मिलती है। इसके अलावा, पूसा तारक और पूसा महक किस्मों की अगेती खेती हो सकती है। ये दोनों किस्में करीब 110–115 दिन के बीच पक जाती हैं और प्रति हेक्टेयर औसतन 15–20 क्विंटल पैदावार हासिल होती है। उन्होंने एक और किस्म के बारे में जानकारी दी, जो सबसे कम समय में पककर तैयार हो जाती है. डॉ सिंह ने बताया कि पूसा सरसों– 25 नाम की किस्म 100 दिन में तैयार हो जाती है. एक हेक्टेयर में पूसा सरसों– 25 की बुवाई कर 14.5 क्विंटल पैदावार प्राप्त कर सकते हैं।

संघर्ष की प्रेरणा देता है रामजन्मभूमि आन्दोलनः चम्पत राय

महापौर परिषद की दो दिवसीय बैठक का हुआ समापन

अयोध्या। अखिल भारतीय महापौर परिषद की दो दिवसीय बैठक अयोध्या के पंचशील होटल में संपन्न हो गयी। समापन सत्र के दौरान ऑल इंडिया मेयर काउंसिल के चेयरमैन नवीन जैन ने कहा कि सभी महापौर अपने अपने महानगरों को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया है। गंदगी मुक्त करने का संकल्प लिया है। सभी महापौर अपने–अपने महानगरों को हरियाली युक्त बनाने का भी संकल्प लिया है।इसके साथ महानगरों में जन सुविधाएं जन जन तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जहां जहां मानव रहते हैं वहां पर नाली खड़ंजा स्ट्रीट लाइट सभी सुसज्जित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द महापौर परिषद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल कर एक देश एक नियम की मांग करेगा। यही नही परिषद भारत सरकार के शहरी विकास मंत्री से भी मिलकर नगर निगम के कामकाज में आने वाली समस्याओं को समाधान कराने के लिए अनुरोध करेगा।

महापौर परिषद के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बैठक में उपस्थित विभिन्न राज्यों के महापौरों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में राम जन्म भूमि का आंदोलन आत्मसम्मान और हक के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। जिससे कि आने वाली पीढ़ियों के रक्त में आत्मसम्मान राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति के प्रति संचार होगा और देश के प्रति धर्म के प्रति मानवीय कर्तव्यों के प्रति समाज में वातावरण भी सृजित होगा। उन्होंने अयोध्या के गौरवमयी प्राचीन इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि कि इस पुण्य भूमि की महान जनता ने त्याग तपस्या और सेवा से यह शुभ अवसर दिन उपलब्ध कराया है की ऐतिहासिक राम मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। मंदिर के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण की सर्वोच्च प्राथमिकता रखी गयी है। प्रभु श्री राम के मंदिर निर्माण में सिर्फ और सिर्फ पत्थरों का ही उपयोग होगा इसमें किसी भी प्रकार के लोहे का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

मंदिर निर्माण की अवधारणा में न्यूनतम 1000 वर्ष आयु की मजबूती को आधार मानकर सुयोग्य आर्किटेक्चर इंजीनियरों की सेवाएं भी ली जा रही है। राम मंदिर निर्माण में देश के करोड़ों राम भक्तों ने 10 से लेकर अपनी सामर्थ्य के अनुसार उदारता पूर्वक समर्पण धनराशि प्रदान किया है। इतने कम समय में श्रीराम के भक्तों ने योगदान कर विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। राष्ट्रीय बैठक के समापन समारोह को उमाशंकर गुप्ता पूर्व मेयर पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश सरकार, उमेश गौतम मेयर बरेली, दयाशंकर चंद्रशेखर तिवारी महापौर नागपुर श्रीमती नूतन राठौर महापौर फिरोजाबाद एजाज धेबर महापौर रायपुर छत्तीसगढ़, चंद्र मोहन सिंह जम्मू कश्मीर, मुरलीधर मोहल महापौर पुणे मंजू मेहरा कोटा राजस्थान, नीली क्षत्री गंगटोक सिक्किम, सुनील उनियाल देहरादून, हेमाली काजपेस घोघावाला सूरत, नारायणदास रोकडिया बड़ौदा सहित अलीगढ़ प्रयागराज गोरखपुर झांसी मुरादाबाद आगरा गाजियाबाद कानपुर लखनऊ के महापौरों ने समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अयोध्या नगर निगम के उपसभापति बृजेंद्र सिंह महंत अनुज दास पार्षद प्रतिनिधि अभय श्रीवास्तव संजय शुक्ला पार्षद आशीष सिंह नामित पार्षद सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेतागण और नगर ाव निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हनुमानगढ़ी में किया हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ

अयोध्या। नगर आगमन पर जगह–जगह कार्यकर्ताओं ने मनीष सिसोदिया का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। नगर आगमन के बाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह एवं अन्य साथियों के साथ सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचे। हनुमान जी के दर्शन के साथ सभी ने यहां मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में ही महंत श्री प्रेमदास जी से आशीर्वाद लिया और रामलला के दर्शन के लिए निकले। हनुमानगढ़ी में पूजन के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि हनुमानजी के चरणों में यूपी में "आप" सरकार बनाने का अवसर देने की अर्जी लगाई, ताकि यहां भी प्रभु राम की कृपा से शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, रोजगार आज मुद्दों पर दिल्ली की तरह काम हो सके। रामलला के दर्शन के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रभु चरणों में यही विनती की है कि हमारे विचारों को सदैव पवित्र बनाए रखने की कृपा बनी रहे। मनीष सिसोदिया ने रसिक पीठ, जानकी घाट और बड़ा स्थान जाकर साधु–संतों का भी आशीर्वाद लिया।

श्रीराम की सेवा में भंडारे में परोसा प्रसाद

अयोध्या। जानकी घाट पर आयोजित भंडारे में राम भक्त साधु–संतों और भक्तों को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने भोजन परोसा। श्री राम सेवा में अपना योगदान देते हुए आप नेताओं ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की कामना की। मनीष सिसोदिया ने माता सीता के आशीर्वाद को अमोघ बताते हुए कहा कि यहां आकर मां जानकी का आशीर्वाद भी मिला। बोले संतों के आशीर्वाद से विचार की पवित्रता बनी रहती है। प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने दावा किया कि अयोध्या में 14 सितम्बर को होने जा रही तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक होगी। इससे पहले लखनऊ,आगरा और नोएडा में तिरंगा यात्रा निकाली जा चुकी है इन तिरंगा यात्राओं को अपार जनसमर्थन मिला। मुख्य अतिथि दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसादिया के साथ गुलाब बाड़ी से तिरंगा यात्रा शुरू होगी। नगर के विभिन्न मार्गों से होकर यह यात्रा गांधी पार्क पहुंचेगी।

बीएसए करेगे आदर्श विद्यालयो और शिक्षकों को सम्मानित

उन्नाव। बेसिक शिक्षा विभाग के उत्कृष्ट शिक्षक व आदर्श विद्यालयों को बीएसए सम्मानित कर हौसलाअफजाई करेंगे। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर पूरी सक्रियता के साथ अच्छे विद्यालय और आदर्श शिक्षकों के नाम देने को कहा है। बीएस जय सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी करके यह निर्देश दिए है। बीएसए ने पूरे जिले 20 अच्छे विद्यालयों और हर ब्लॉक से 10 शिक्षक, 3 शिक्षामित्र व 2 अनुदेशकों के नाम तत्काल देने का फरमान दिया है। बीएसए ने बताया कि इसके पीछे का मुख्य उद्देश्य है कि जो विद्यालय आधारभूत सुविधाओं से सुसज्जित हो और आदर्श विद्यालय की कोटि में हो। उन स्कूलों को सम्मानित करने से दूसरे शिक्षक भी अपने स्कूलों को अच्छे से सुसज्जित करने को प्रोत्साहित होंगे। बताया कि शिक्षक दिवस पर तमाम शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक बेहतर कार्य के बाद भी सम्मान के पात्र नहीं बन पाए है।

ट्रेन से कटकर किशोरी की मौत

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार क्षेत्र अंतर्गत एक किशोरी की ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। थाना लाइनपार क्षेत्र के गांव कूपा निवासी प्रेमपाल यादव की पुत्री शालू (17) गांव के पास ही रेलवे लाइन पार कर रही थी। बताया जाता है कि तभी अचानक वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गयी। जिससे उसकी मौत हो गयी। दुर्घटना देख लोगों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है।

राम गांव में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच । तहसील महसी अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय राम गांव में मंगलवार को किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत किसान पाठशाला का आयोजन किया गया कृषि विभाग के तकनीकी सहायक बीर सिंह ने पाठशाला को सम्बोधित करते हुए बताया कि केन्द्र सरकार की मंशानुरूप किसानों की आय दोगुनी करने के उपाय बताए व कृषि यंत्र पर चल रही योजनाओं के बारे में बताया फसल अवशेष को जलाने से रुकने के उपाय बताएं खाध बीज पर मिलने वाले सब्सिडी के बारे में बताया तकनीक सहायक ने किसान सम्मान निधि के बारे में किसानों को जानकारी दिया इस दौरान चिंता राम बिशाल यादव बाबादीन शिव कुमार राम सहारे रुदल चौहान शिव प्रसाद कल्लू गरीबे बिट्टा देबी मीना देवी राम पराग मौर्य पारस नाथ सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्रों ने किया शिक्षक संघ के धरने का बहिष्कार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच । उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के द्वारा आयोजित इक्कीस सूत्रीय मांगो के समर्थन में आज दिनांक 14सितंबर 2021को पूरे प्रदेश के सभी ब्लॉकों के ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर सामूहिक धरने का आयोजन किया गया था जिसमे शिक्षको शिक्षा मित्रों ,अनुदेशकों ,आंगनबाड़ी , कार्यकत्रियों एवम रसोइयों को प्रतिभाग करना था परंतु शिक्षको द्वारा शिक्षा मित्रों के भविष्य के साथ की गई अंदेखियो और शिक्षा मित्रों के विरोध के कारण उत्तर प्रदेश शिक्षा मित्र संघ के मीडिया प्रभारी दुर्गेश चंद्र श्रीवास्तव सहित सैकड़ों शिक्षा मित्रों ने सामूहिक धरने का बहिष्कार करते हुए बताया कि इतिहास गवाह है की शिक्षकों ने कभी भी शिक्षा मित्रों के हितों की बात नहीं की है जब भी शिक्षा मित्रों पर संकट के बादल छाए है तब भी शिक्षको ने साथ नहीं दिया है।आज जब उनके सामने संक्रमण का दौर है तब उन्हें मेरी याद आई है शिक्षा मित्रों के मानदेय, उपस्थिति,अवकाश और समायोजन रद्द होने जैसी सभी स्थितियों में शिक्षकों ने हमेशा शिक्षा मित्रों का विरोध ही किया है।इसलिए हम इन विरोधियों का साथ किसी भी स्थिति में नहीं देने वाले।

जांच के नाम पर निर्धारित मूल्य से अधिक शुल्क वसूला तो होगी कड़ी कार्यवाहीः डीएम

फिरोजाबाद। डेंगू, संचारी रोंगों की प्रभावी रोकथाम व नियंत्रण स्थापित करने के लिए जिला प्रशासन निरंतर हर सम्भव प्रयास कर रहा है, इसके लिए जिलाधिकारी चंद्रविजय सिंह द्वारा निरंतर भ्रमण, निरीक्षण व बैठकें कर समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने .एस पी सिटी कार्यालय में शहर के सभी पैथोलोजी संचालकों के साथ एक आवश्यक बैठक कर उन्हे निर्देश दिए है कि वह मरीजों से मेडिकल जांचों के निर्धारित मूल्य जिसमें डेंगू जांच 500 रूपये एवं सीवीसी जांच 180 रूपये से अधिक न वसूले जाए। जिलाधिकारी ने सभी पैथोलॉजी संचालकों से स्पष्ट व कडेंघ निर्देश दिए है कि मरीजों से दिए गए निर्धारित मूल्यों से अधिक वसूली के प्रकरण संज्ञान में आने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होने पैथोलॉजी स्वामियों की अंर्तआत्मा को झंझोरते हुए कहा कि इस परेशानी के दौर में मानवीय संवेदनाओं को आगे रखकर काम करें। उन्होने सभी पैथोलॉजी स्वामियों को निर्देश दिए है कि मेडिकल जांच के दौरान डेंगू पॉजिटीव व तीस हजार से कम प्लेटेटस एवं गम्भीर मरीजों के नाम, पूरा पता व मो0 न0 सहित पूर्ण विवरण एसडीएम सदर, नगर मजिस्ट्रेट, व स्वास्थ्य विभाग के साथ बनाए गए वाटसअप ग्रुप पर शेयर करते रहें, ताकि लेखपाल, राजस्व विभाग व स्वास्थ्य कर्मी सम्बन्धित मरीजों के परिजनों से सम्पर्क कर पता करते रहें कि मरीज का उपचार कहां चल रहा है उसकी कैसी स्थिति है और उसे इलाज में कोई परेशानी तो नही हो रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि शहर में अनाधिकृत चिकित्सकों को चिन्हित कर कार्यवाहियां भी हो रहीं है, ताकि गलत दवा व उपचार के कारण किसी की मृत्यु न होने पाए। इसका प्रभाव भी दिख रहा है, जिससे सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी बढी है, यह इस बात को दर्शाती है कि जिला प्रशासन द्वारा अनाधिकृत चिकित्सकों पर कार्यवाही के बाद मरीज अब सीधे सरकारी अस्पतालों में आ रहें है और उन्हे अच्छा इलाज मिल रहा है। उन्होने बताया कि ओपीडी को और सुलभ बनाने के लिए सौ शैय्या परिसर में नयी बिल्डिंग के ग्राउण्ड फ्लोर पर ओपीडी को चालू कराया जा रहा है, ताकि आने वाले मरीजों को और अधिक सहुलियत मिल सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट गुलशन कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी के अलावा स्वास्थ्य विभाग व शहर के पैथोलोजिस्ट व अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

प्रधान संगठन ने सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। अखिल भारतीय प्रधान संगठन अयोध्या इकाई वजूद में आते ही प्रधानों के हितों को लेकर मुखर होने लगी है। संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह की अगुवाई में जिले के सभी ब्लाकों से आये प्रतिनिधियों ने ग्राम प्रधानों की दुश्वारियों को लेकर एक ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव को सौंपा। सौपे गये 8 सूत्री ज्ञापन में पंचायत स्तर पर शासन से निर्गत आदेशो और प्रशासनिक मशीनरी के दिशा निर्देशों का हवाला देते हुए कई योजनाओं को लेकर प्रधानों के अधिकार हनन की बात कही गयी है। इनके विरुद्ध बिना शपथ पत्र फर्जी शिकायत पर जांच न कराने व सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस में प्राथमिकता सहित मिड डे मील व अन्य योजनाओं को लेकर मांग पत्र सौंपा गया है। मौजूद अन्य लोगों में रामचेत यादव, श्री निवास तिवारी, अनुराग सिंह, पिंटू वर्मा, अशोक त्रिपाठी, सुरेश सिंह कक्कू, भोला सिंह, ओम प्रकाश यादव, अंकुर सिंह, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

पुलिस की गाड़ी से उतर कर युवती नहर में कूदी, बचाया

युवती के नहर में कूदते ही पुलिस कर्मियों की सांसे अटकी, नहर से निकाल कर परिजनों को सौंपा

शिकोहाबाद। स्टेशन रोड स्थित लोअर गंग नहर के समीप उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पुलिस जीप में बैठी युवती ने अचानक जीप से उतर कर नहर में छलांग लगा दी। युवती को नहर में कूदता देख पुलिस कर्मियों के भी हाथ–पांव फूल गए। आनन–फानन में वहां मौजूद युवकों ने नहर में छलांग लगाई और युवती को सकुशल बाहर निकाल लिया। इसके बाद ही पुलिस कर्मियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद पुलिस कर्मी युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर थाने लौट गए। मटसेना थाना क्षेत्र अंतर्गत मटसेना गांव में एक युवती सुबह अकेली घूमती हुई मिली। स्थानीय लोगों ने युवती को बाहर का समझ कर अनहोनी की आशंका के चलते पुलिस को युवती के अकेले घूमने की जानकारी दी। जानकारी होते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को अपने साथ लेकर थाने आई। यहां युवती से पूछताछ की। युवती ने बताया कि वह परिवारीजनों से नाराज होकर घर से निकल आई है। अब वह घर जाएगी तो परिवार के लोग उसे मारपीट करेंगे। इस डर से वह इधर–उधर घूम रही है। पुलिस ने युवती को समझाया और अपने साथ जीप में बैठा कर युवती को शिकोहाबाद के मोहल्ला काजीटोला में उसके परिजनों के सुपुर्द करने आ रही थी। इसी दौरान स्टेशन रोड पर नहरपुल पर जाम होने के कारण चालक ने जीप को धीमा किया। इसी दौरान युवती मौका पाकर जीप से उतरी और दौड़ लगा कर पुल से नहर में छलांग लगा दी। युवती के इस कार्य को देख पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में कुछ तैराक युवकों को कुदा कर युवती को बचाया। पुलिस युवती को लेकर उसके घर पहुंची और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद ही पुलिस कर्मियों ने राहत की सांस ली। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष वीरेंद्र पाल ने बताया कि युवती को पुलिस कर्मी उसके घर पहुंचाने गये थे। घर वालों के डर से युवती नहर में कूद गई, लेकिन वह तैरना जानती थी। पुलिस कर्मियों ने उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बने अनुराग त्रिपाठी

अयोध्या। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रुप में अनुराग त्रिपाठी का मनोनयन हुआ है। वह इससे पहले युवा मोर्चा के संयोजक समेत अन्य जिम्मेदारियां सम्हाल चुके है। अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना प्राथमिकता होगी। सरकारी योजनाओं व उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाया जायेगा। समाज का हर वर्ग आज भाजपा से जुड़ने के लिए आतुर है। पार्टी की नीतियों को लेकर युवाओं में उत्साह का माहौल है।अनुराग त्रिपाठी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनने पर सांसद लल्लू सिंह, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, इन्द्रप्रताप तिवारी खब्बू, रामचन्दर यादव, शोभा सिंह चौहान, गोरखनाथ बाबा, महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, अयोध्या मंडल के प्रभारी दिवाकर सिंह ने बधाई दी है।

क्रोध, मान, माया, लोभ, कषाय का त्याग कर सुख के सागर को प्राप्त करें: ऋषभ

शिकोहाबाद। पर्वराज पर्यूषण पर्व के चौथे दिन दिगंबर जैन मंदिर बड़ा बाजार में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। धार्मिक कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। धर्म की आराधना की पर्वराज पर्यूषण पर्व अवसर पर उत्तम शौच धर्म की व्याख्या की गई। वहीं अन्य मंदिरों में अभिषेक और पूजन कर लोगों ने धर्मलाभ प्राप्त किया। नवापारा राजिम छत्तीसगढ़ से पधारे छत्तीसगढ़ महासभा के महामंत्री पंडित ऋषभ कुमार जैन शास्त्री ने शास्त्र सभा में कहा कि व्यक्ति सांसारिक लोभ के कारण ही दुखी है। कोई व्यक्ति धन का लोभी है, कोई नाम प्रतिष्ठा का। परंतु दुख का मूल कारण लोभ ही है। व्यक्ति लोभ के वशीभूत होकर अनेक कुकर्म करता है और फिर उसका जब परिणाम सामने आता है तो बहुत दुखी होता है। शास्त्री ने कहा कि लोभ के कारण व्यक्ति न्याय, अन्याय को भी ध्यान में नहीं रखता। कुछ भी अन्याय कर बैठता है। हमारे सभी आचार्यों ने लोभ को त्याग करने का उपदेश दिया है। तभी यह व्यक्ति जगत पूज्य बन सकता है। कबीर ने ठीक ही कहा है– माखी गुड़ में गढ़ि रहें, पंख रहे लिपटाय। हाथ मलै उर सिर धुने, लालच बुरी बलाय। उन्होंने कहा कि जिस तरह मक्खी गुड़ में चिपक जाती है और निकल नहीं पाती। कई बार उसी में उसकी मृत्यु हो जाती है। इसी प्रकार व्यक्ति लोभ के कारण इस प्रकार फंस जाता है कि उससे निकलना असंभव हो जाता है। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि क्रोध, मान, माया, लोभ, कषाय का त्याग करके सुख के सागर को प्राप्त करें। इस अवसर पर नरेंद्र जैन, विमल जैन, नरेंद्र चंद्र जैन, अनिल जैन, सुशील जैन, योगेश जैन, अरुण कुमार जैन आदि मौजूद रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सिधौना का बीएसए ने किया निरीक्षण

मिल्कीपुर–अयोध्या। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार देव पांडे ने .मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिधौना का किया आकस्मिक निरीक्षण।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में 124 नामांकित छात्र–छात्राओं में से 90 छात्र एवं छात्राएं रहे उपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालय में मीनू के अनुसार बच्चों को खिलाने के लिए बने मध्यान भोजन को भी चखा । विद्यालय साफ सफाई एवं छात्रों की उपस्थिति को देखकर प्रसन्नता जताई छात्रों को कोविड–19 का पालन करने एवं मास्क लगाने के लिए के निर्देश दिए। विद्यालय में इंचार्ज प्राध्यापिका सीमा गुप्ता एवं सहायक अध्यापिका शिप्रा यादव उपस्थित रही।

तदर्थ प्रधानाचार्य को विनियमित करने के लिये मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में अद्यतन कार्यरत प्रधानाचार्य का विनियमितीकरण करते हेतु संस्था प्रधान के पद को पदोन्नति का पद घोषित करने के संबंध में जनपद सिद्धार्थनगर के तदर्थ प्रधानाचार्यो ने जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन देकर सरकार से इस संबंध में मांग किया प्रधाना चार्यो ने अपने विनियमितीकरण को न्याय संगत बताया उसके पीछे कुछ तर्क दिए कि चयन बोर्ड की स्थापना के पूर्व शैक्षिक योग्यता व वरिष्ठता के आधार पर प्रधानाचार्य की नियुक्ति होती थी विद्यालयों की व्यवस्था वर्तमान से भी अच्छी थी तदुपरांत अन्य व्यवस्था के अंतर्गत भी वरिष्ठ शिक्षकों में से चयन प्रारंभ हुआ और कई वर्षों तक ही व्यवस्था लागू रही चयन बोर्ड के गठन के पश्चात चयन प्रक्रिया द्रुतगति से चली सदस्य चयन प्रक्रिया ध ीमी होती गई किंतु इधर अनेक वर्षों से चयन प्रक्रिया लगभग ठप पड़ी है सभी कार्यरत प्रध ानाचार्य अनिवार्य शैक्षिक योग्यता धारी हैं कार्यरत सभी प्रधानाचार्य के पास पर्याप्त अनुभव भी है जिससे वह समस्त विद्यालय परिवार के सहयोग से सकुशल विद्यालय का संचालन कर रहे हैं एवं विद्यालय प्रशासन भी चला रहे हैं क्योंकि सभी प्रधानाचार्य वरिष्ठ शिक्षक है इसलिए वेतनमान भी प्रधानाचार्य पद का पहले से ही प्राप्त कर रहे हैं जिसके कारण विनियमितीकरण से सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा अपने–अपने विद्यालयों की प्रत्येक परिस्थितियों से पहले से ही अवगत होने के कारण शिक्षकों ,शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ,छात्रों व अभिभावकों के बीच अच्छी तरह से सामंजस्य स्थापित कर रहे हैं। सामुदायिक परिस्थितियां भी ऐसे तदर्थ प्रधानाचार्य के लिए अनुकूल रहेंगे पहले से संबंध होने के कारण क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ायों से भी अच्छा सहयोग प्राप्त

करने में सदैव आसानी रहती है राज्य एवं केंद्र के समस्त विभागों में अनेक पद पदोन्नति से भरे जाते हैं और कर्मचारियों को अपने सेवाकाल में पदोन्नति का अवसर प्राप्त होता है तथा कहीं भी संस्था प्रधान या विभागाध्यक्ष का पद सीधी भर्ती द्वारा चयनित नहीं किया जाता है परंतु अशासकीय सहायता प्राप्त हाईस्कूल स्तर तक के माध्यमिक विद्यालयों के स्नातक वेतन क्रम के शिक्षकों को तथा इंटर स्तर में प्रवक्ता वेतन क्रम के शिक्षकों को अपने सेवाकाल में पदोन्नति का कोई अवसर प्राप्त नहीं होता। विद्यालयों में प्रधानाचार्य का एकल पद होता है और इस अवसर से भी विभिन्न नियमों कानूनों के अंतर्गत शिक्षकों को वंचित किया गया है अतः इस अपवाद को अद्यतन कार्यरत प्रधानाचार्य को विनियमित करके एवं प्रधानाचार्य के पद को पदोन्नति का घोषित करके समाप्त किया जा सकता है उपर्युक्त के अतिरिक्त तदर्थ प्रधानाचार्य का विनियमितीकरण हो जाने से माननीय उच्च न्यायालय में विभिन्न कारणों से लंबित आयोजित वाद सत्र समाप्त हो जाएंगे जिससे विभाग पर पड़ने वाले अनावश्यक वित्तीय और प्रशासनिक भार में कमी आएगी तथा विद्यालयों में पठन–पाठन अनुशासन में स्वाभाविक उच्च गुणवत्ता प्राप्त हो जाएगी पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तदर्थ प्रध ानाचार्य का विनियमितीकरण किया जा चुका है अतः कोई न्यायिक कठिनाई का भी प्रश्न नहीं यहां यह उल्लेखित करना समीचीन होगा कि प्रधानाचार्य के विनियमितीकरण के पश्चात के रिक्त पद पर भविष्य में होने वाली नियुक्तियों से योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जा सकेगी जिससे योग्य व्यक्तियों को सेवा के नए अवसर प्राप्त होंगे इन नई नियुक्तियों से सरकार के वित्तीय भार में कमी आएगी क्योंकि नव चयनित शिक्षक प्रारंभिक वेतनमान पर नियुक्त होगा अतः आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त परिस्थितियों में प्रध ानाचार्य का विनियमितीकरण करना सर्वथा उपयुक्त रहेगा जिसके लिए पूरा शिक्षा जगत सदैव आपका आभारी रहेगा उत्तर प्रदेश के समस्त तदर्थ प्रधानाचार्य उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय सरकार को वचन देते हैं कि वह सदैव निष्ठा पूर्वक अपने कार्य व सरकार की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने में पूरी शक्ति से प्रयास करते रहेंगे ज्ञापन देने वालों में बृजेश कुमार द्विवेदी प्रधानाचार्य महात्मा गौतम बुद्ध उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोगिया सिद्धार्थनगर आलोक त्रिपाठी जनता इंटर कॉलेज बनियाडीह राम पुकार यादव बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज बर्डपुर , कैप्टन डॉ नीरज श्रीवास्तव सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज इंटर कॉलेज तेतरी बाजार ,विजय मिश्रा जवाहरलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असोगवा, प्रमोद कुमार चौधरी दुर्गा जी पटेल श्वरी इंटर कॉलेज पटनी जंगल मोहम्मद इरशाद नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय औदही कला रविंद्र श्रीवास्तव तुलसीदास उच्चतर माध यमिक विद्यालय डंडवाघाट आदि उपस्थित रहे।

गदहमरवा में अपनी दुर्दशा पर रो रहा नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड क्षेत्र लोटन के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गदहमरवा में नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय की कुछ दीवार टूट गयी है। सूत्रों से पता चला है कि नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय की कुछ दीवार टूटने की वजह से लोगों में आक्रोश है। गाँव के लोगों के अनुसार सामुदायिक शौचालय में जाते वक्त हमेशा डर बना रहता है । जहाँ सरकार द्वारा तमाम तरह की महत्वकांक्षि योजनाएँ चलायी जा रहीं हैं उसका लाभ पूर्णरूप से ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जहा भारत को साफ सुथरा रखने के लिए सरकार द्वारा योजनाएँ चलायी जा रहीं हैं वहीं सामुदायिक शौचालय की दशा बदतर है ।

स्वच्छ भारत मिशन मे प्रधान, सेक्रेटरी की मिली भगत मे बंदर बाट, मचा हंगामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकासखंड डुमरियागंज के ग्राम पंचायत मुड़ा डीहा में स्वच्छ भारत मिशन पर लूट मची हुई है । जहाँ जनपद सहित सभी विकास खंड ओडीएफ घोषित हो चुका गांव के हर परिवार को स्वक्ष भारत मिशन के तहत शौचालय मिल चुका है लेकिन वही ग्राम पंचायत मुड़ा डीहा मे ग्रामीण लाभार्थियों ने आरोप लगाया है। कि अधूरे में फंसा हमारा शौचालय लाभार्थियों को शौचालय का पहला किस्त ही नशीब हुआ है मात्र 6000 देकर ग्राम प्रधान, सचिव की मिली भगत ने लाभार्थियों के शौचालय का धनराशि बंदर बाट कर लिए। और दूसरा किस्त अब तक नहीं मिला ग्रामीण लाभार्थियों का आरोप है कि पैसा प्रधान और सचिव मिलकर खा गए इसलिए हम लोगों को अभी तक दूसरा किस्त नहीं मिला। लगभग आधा दर्जन लोगों को दूसरा किस्त नहीं मिला ऐसे मे स्वच्छ भारत मिशन की धज्जिया उड़ाते है और शासन के आदेश निर्देश के विपरीत जिम्मेदार कार्य करते है ।और ग्रामीण सरकार की सुविधाओं से वँचित रह जाते है ग्राम पंचायत मुड़ा डीहा मे सोनमती, विमला, रहिस, आदि दर्जनों लोगों के पास आज तक शौचालय नहीं बन सका और ऐसे कई परिवार है जो बाहर शौच जाने को मजबूर है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह सपा मे शामिल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लोटन/सिद्धार्थनगर। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

अनिल सिंह मंगलवार को लखनऊ मे समाजवादी पार्टी के कार्यालय मे कांग्रेस को छोडकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय एंव सपा के भूत पूर्व सांसद महराजगंज के अखिलेश सिंह के समक्ष अपनी आस्था जताते हुए समाजवादी पार्टी मे सामिल हुए। सपा मे सामिल होने के बाद अनिल सिंह ने कहा कि लगभग पन्द्रह साल बाद अपने घर वापसी को लेकर मै बहुत भावुक हूँ। मैं प्रयास करुँगा कि पार्टी के निर्देश के नक्से कदम पर चलू यह मेरा भरसक प्रयास रहेगा।मुझसे पार्टी मे सामिल करने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभारी हूँ कि मेरे उपर विश्वास कर पार्टी मे सामिल कर लिया।पार्टी को निरंतर आगे बढाने के लिए हर समय तत्पर रहूंगा।

21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्राशिसं ने भरी हुंकार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, रसोइया, केजीबीवी व विशेष शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं ने मंगलवार को 21 सूत्रीय मांगों को लेकर बीआरसी पर हुंकार भरी और मांगों को पूरा करने के लिए सरकार को चेताया। प्राशिसं के जिला उपाध यक्ष रूपेश सिंह ने कहा कि सरकार को एक छत के नीचे परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों, शिक्षामित्रों सहित अन्य सभी के मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हम सभी भी समाज के अंग हैं और सरकार को संवेदना दिखाते हुए हक देना चाहिए। ब्लाक अध्यक्ष अभय श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विद्यालयों में प्रध ानाध्यापक का पद होना चाहिए। संविलयन व प्रधानाध्यापक पद के लिए छात्र संख्या की सीमा निर्धारित कर पदोन्नति में रोड़ा अटका दिया हैध। शिवकुमार शुक्ला ने कहा कि एमडीएम से लेकर अन्य सभी दायित्वों का बखूबी निर्वहन करने वाला शिक्षक आकस्मिक अवकाश के लिए भी सर्वर पर आश्रित कर दिया गया हैध। दिनेश मिश्र, आनंद सुमन, प्रभाकर द्विवेदी, मंजूर इलाही, कपिलेश पांडेय, रणविजय सिंह आदि वक्ताओं ने पुरानी पेंशन बहाल करने , पदोन्नति करने–संविलयन समाप्त करने, कैशलेस चिकित्सा की सुविधा देने, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को नियमित करने, रसोइया का मानदेय दस हजार करने, वार्षिक प्रविष्टि का आदेश वापस लेने, उप्र शिक्षा सेवा अधिकरण विध ेयक वापस लेने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने, मृतक आश्रित नौकरी में टीईटी की बाध्यता खत्म करने सहित अन्य मांगों पर प्रकाश डाला। शिक्षक बृहस्पति पांडेय के संचालन में आयोजित धरना में मंत्री कृ पाशंकर पांडेय व कोषाध्यक्ष हरिशंकर सिंह सहित सुभाष जायसवाल, शिवाकांत दूबे, प्रमोद त्रिपाठी, राकेश सिंह, गुलाब चंद, आशुतोष उपाध्याय, बालमुकुंद, रामलौटन, प्रतिभा,शशिकला सिंह, बृजेश्वरी देवी, सीमा, निशा सिंह, ममता, रंजना, अंकिता,सुनीता, अंजुम, जरीना,विशाल, जनार्दन यादव, जितेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

नदी में डूबा युवक, तलाश जारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज अंतर्गत ग्राम गोपिया में

ब्लाक भनवापुर मे रमेश पुत्र धर्मराज उम्र 20 वर्ष निवासी गोपिया की राप्ती नदी में डूबने की सूचना प्राप्त हुई। माननीय मंत्री बेसिक शिक्षा स्वतंत्र प्रभार के निर्देश पर एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची जो जो डूबे हुए व्यक्ति को की तलाश कर रही है ।मौके पर डूबे हुए व्यक्ति के पिता धर्मराज धर्मराज मिले। उन्हें आश्वस्त किया गया है कि एनडीआरएफ की टीम लाश अति शीघ्र बरामद कर लेगी। प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत 4 लाख की अहेतुक सहायता पीड़ित परिवार को दिलाई जाएगी।साथ ही परिवारिक लाभ योजना अंतर्गत 30000, पेंशन आदि से लाभान्वित किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावित गांवों को राहत सामग्री वितरित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील के अंतर्गत उपजिलाधि

ाकारी डुमरियागंज त्रिभुवन ने बाढ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित किया गया। कुल 68 गांव अरुण तथा 38 गांव बाढ़ प्रभावित हैं जिसमें 15,000 से अधिक राशन किट वितरित कर दी गई है। ग्राम बेवमुस्तकहम् में 700 तथा कठौतिया पांडे में लगभग 240 के वितरित की जा रही है। तहसील में मेहरून सभी गांव के ग्रामीणों से अनुरोध किया गया है की सभी को राशन किट मिलेगी। यदि कोई छूट गया है तो तहसीलदार को सूचित कर सकते ताकि सभी को राशन किट मिलना सुनिश्चित हो सके।

हिन्दी संस्कारों का है दर्पण:रा०यु०स्व०से०

गोविन्द वर्मा/दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोहाँस/सिद्धार्थनगर। युवा कायर्क्रम एवं खेल मंत्रालय भारत

सरकार की इकाई नेहरु युवा केंद्र सिद्धार्थनगर के अंतर्गत जिला युवा अधिकारी मनीष सिंह के आदेशानुसार दिनांक 14ध09ध2021को हिंदी दिवस के अवसर पर आज नौगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत बर्मी बुद्धा पब्लिक स्कूल महदेवा बाजार में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि बर्मी बुद्धा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य राकेश रहे । उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर कहा हिंदी सरल है वा हमारी प्राचीन भाषा है उसके बाद रा०यु०स्व०से० गोविन्द वर्मा ने हिंदी की महत्ता पे प्रकाश डालते हुए कहा की हिंदी हमारे परम्परा वा संस्कारों का दर्पण है । वर्तमान में हिंदी लगभग ज्यादे देशों में बोली जाती है कार्यक्रम में बर्मी बुद्धा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य राकेश व पत्रकार मोहन शर्मा, रा०यु०स्व० से० गोविन्द कुमार वर्मा , दुर्गावती गौतम वा विद्यालय के सभी बालक व बालिका उपस्थित रहे।

हिंदी हमारी संस्कृति, परम्परा और संस्कारों का दर्पण है: राकेश मणि त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। हिंदी हमारी संस्कृति, परंपरा और संस्कारों का दर्पण है।जो वर्तमान पीढ़ी को गौरवशाली अतीत से परिचय करवाती है। उक्त बातें रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार के प्रधानाचार्य श्री राकेश मणि त्रिपाठी ने कही। वह हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आगे त्रिपाठी ने कहा संविधान सभा के द्वारा आज ही के दिन हिंदी और देवनागरी लिपि को राजभाषा के रूप में मान्यता देते हुए हिंदी भाषा के उत्थान के लिए संवैधानिक प्रावध ान निर्धारित किए गए थे। भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक प्रगति एवं सांस्कृतिक उन्नयन में हिंदी भाषा का सर्वाधि

ाक योगदान है। आज हिंदी को राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है और अधिसंख्य भारतीयों की मातृभाषा के रूप में भी हिन्दी भाषा शीर्ष पर विराजमान है। आवश्यकता है कि हम सब अपने लेखन एवं वार्तालाप में अपनी मातृभाषा हिन्दी का अधि ाक से अधिक प्रयोग करने का संकल्प करें। विद्यालय के जयंती प्रमुख आचार्य दिलीप श्रीवास्तव ने भी हिंदी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 14 सितंबर के दिन देश के संविधान ने हिंदी को श्रेष्ठता प्रदान करते हुए आधिकारिक राजभाषा का दर्जा देकर उसका उत्थान किया। हिंदी को एक सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए वह एक क्रांतिकारी कदम था। लेकिन फिर भी अंग्रेजी का वर्चस्व बढ़ता गया ।हिंदी प्रेम ,मिलन और सौहार्द की भाषा है ।हिंदी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भाषा है । हिंदी को सम्मान मिले लोगों में हिंदी लिखने – बोलने का प्रचलन अत्यधिक बढ़े तब निश्चित ही कार्यक्रम मनाने की सफलता पूर्ण होगी। कार्यक्रम में भैया बहनों ने भी हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन व्यकंटेश्वर चंद्र मिश्र ने किया। उक्त अवसर पर कार्यक्रम संयोजक गोविंद सिंह सह संयोजक अनीश पाठक, राजकुमार वर्मा, संतोष त्रिपाठी, विवेक कुमार सिंह तथा दिग्विजय नाथ मिश्र समेत समस्त आचार्य बंधुओं व भैया बहनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इक्कीस सूत्रीय मांगो को लेकर बी. आर. सी. परिसर गोला में शिक्षकों ने दिया धरना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर गोला विकास खंड के शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, विशेष शिक्षक , कस्तूरबा गांध ी विद्यालयों के शिक्षक, आगनवाड़ी कार्यकत्री, रसोईया सामूहिक रूप शिक्षक संघ के अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी की अध यक्षता में मंगलवार को बी.आर. सी परिसर गोला में अपनी इक्कीस सूत्रीय मांगो को लेकर धरना दिया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी ने कहा कि सरकार शिक्षक, कर्मचारियों के बुढ़ापे का सहारा पुरानी पेंशन को बहाल करे। पुरानी पेंशन में सेवा निवृत के बाद निश्चित पेंशन निर्धारित थी जो अंतिम वेतन का पचास प्रतिशत निर्धारित थी। जबकि नई पेंशन में कितनी मिलेगी कुछ निध ारित नहीं है बल्कि शेयर मार्केट पर आधारित है कर्मचारी अपने खून पसीने की कमाई को बाजार के हवाले नहीं कर सकता है।पुरानी पेंशन शिक्षक, कर्मचारी का संवैधानिक अधि

ाकार है। ब्लॉक मंत्री प्रेम प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में नित नए प्रयोग हो रहे है शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तभी संभव है जब विद्यालयों को मूलभूत संसाधनों से सुसज्जित किया जाय। प्रत्येक कक्षा में अध यापक, प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक, लिपिक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवम् चौकीदार हो, कैशलेस चिकित्सा, उपार्जित अवकाश दिया जाय। संघ के उपाध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि आनलाइन कार्य के नाम पर शिक्षकों का शोषण बन्द होना चाहिए, कोषाध यक्ष उपेन्द्र मिश्र ने कहा कि सरकार शिक्षामित्र, अनुदेशक ,विशेष शिक्षक एवम् कस्तूरबा गांध ी बालिका विद्यालयों के शिक्षक को स्थाई शिक्षक बनाएं। इसके पूर्व धरने को शिक्षक नरसिंह तिवारी, जितेन्द्र गौरव, रामनयन शुक्ल, कुमैल असरफ, ऐश्वर्य लक्ष्मी पांडेय, रीता देवी, राजेश्वरी, मृतुन्जय त्रिपाठी, राहुल मिश्र, हरिकेश सिंह ने भी संबोधित किया। धरने का संचालन संघ के संयुक्त मंत्री रवींद्र यादव ने किया। इस अवसर पर शिक्षक विनोद सिंह, सूर्य प्रताप राय, जैनेंद्र दुबे, श्रवण यादव पवन राय, सूर्य प्रकाश यादव, अरविंद पटेल, सुशील तिवारी, प्रदीप मिश्रा, आनंद यादव ,। जुगनू, कामिनी तिवारी, दुर्गवती राय, सलमान खुर्शीद, संतोष यादव, राजन मल्ल, नीलम राय, वीरेंद्र राय, सुरेश कुमार, सर्वेश त्रिपाठी, सूर्य प्रकाश यादव,धर्मेंद्र सिंह, दुर्गेश मिश्रा, राम लाल यादव, हरिकेश राम, सतेंद्र शर्मा , अमित गुप्ता, आभा यादव, विशाल द्विवेदी तमाम शिक्षक , शिक्षा मित्र , रसोइया उपस्थित रहीं।

ग्राम पंचायतों में द मिलियन फार्मर्स स्कूल किसान पाठशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। कृषि विभाग जनपद की 128 न्याय पंचायतों के

दो–दो ग्राम पंचायतों में द मिलियन फार्मर्स स्कूल किसान पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 14 व 15 सितम्बर, 2021 तथा 20 व 21 सितम्बर, 2021 को मंगलवार और बुधवार किसान पाठशालाओं में किसानों को उत्तम खेती के टिप्स दिए जाएंगे। किसान पाठशाला संबंधित गांव में अपराह्न 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक फग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालयध्उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित हो रही है। इसी क्रम में मुख्य विकास अधि ाकारी महोदय द्वारा ग्राम पंचायत–तुरसिया, विकास खण्ड–मिठवल में आयोजित किसान पाठशाला में प्रतिभाग किया गया है। जिसमे अधिकांश संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे। इनमें किसानों को कृषि विविधिकरण, जैविक खेती, मूल्य संवर्धन एवं पराली प्रबंधन, खरीफ फसल प्रबंधन, कृषि, गन्ना, पशुपालन, उद्यान एवं मत्स्य विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं, कृषक उत्पादक संगठन आदि विषयों पर जानकारी दी जाएगी। जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि किसाना पाठशाला में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सम्बन्ध में कैम्प भी लगाया जाय। जिससे किसानों भाईयों की समस्या का निदान मौके पर किया जा सके।

गणपति पूजा का जागरण कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिध्दार्थनगर। स्थानीय नगर पंचायत में पांच दिवसीय श्री गणपति पूजा के पांचवें दिन मंगलवार को जागरण का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें श्रद्धालुओं से भारी संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की गयी है। पांच दिवसीय श्री गणपति पूजा के आयोजक पूजा मेडिकल स्टोर एवं पैथोलॉजी सेन्टर के संरक्षक माधव कसौधन वा अनिल कसौधन ने बताया कि चौथे दिन श्रीराम चन्द्र जी का जन्म हुआ था। इसके उपलक्ष्य में खुशी मनाया गया। आयोजक अनिल कसौधन ने बताया कि 14 सितम्बर 2021 को जागरण की रात गौरी पुत्र गणेश के नाम जागरण भक्ति गीतों से आयोजित किया जाएगा। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षामंत्री डा. सतीश चन्द्र द्विवेदी तथा विशिष्ठ अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील किया है कि जागरण की रात भारी संख्या में श्रद्धालुओं उपस्थित हों। गणपति पूजा को सफल बनाऐ।

सम्पादकीय

अपनों के दायरे से आगे

समय के साथ इनमें बदलाव आता है। मतलब यह कि चाहे जितनी भी जटिल प्रक्रिया हो, उसका सावधानी से विश्लेषण करते हुए बदलाव की इस प्रक्रिया को सकारात्मक मोड़ दिया जा सकता है। अगर अपने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश ...

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज में पिछले सप्ताह प्रकाशित एक स्टडी रिपोर्ट ने बहुतों का ध्यान खींचा। इस स्टडी में पहली बार अलग–अलग देशों के संदर्भ में यह देखने की कोशिश हुई कि सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार करने के मामले में किस देश के लोग कहां खड़े हैं? सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार से मतलब है उन लोगों के हितों का, उनकी भावनाओं का भी ख्याल रखना, जो सीधे तौर पर हमसे जुड़े नहीं हैं, जिन्हें हम जानते नहीं है। खास बात यह कि इसमें सिर्फ उन व्यवहारों को शामिल किया गया, जिनके लिए हमें कुछ खर्च नहीं करता पड़ता या जिनमें समय लगाने की जरूरत नहीं होती। 31 देशों के लोगों पर की गई इस स्टडी के मुताबिक, भारत इस मामले में नीचे से तीसरे नंबर पर है। तुर्की और इंडोनेशिया ही उससे नीचे हैं। इस मामले में टॉप पर है जापान, जहां लोगों के अच्छे व्यवहार का प्रतिशत 72 है। ऑस्ट्रेलियाई 69 फीसदी और मेक्सिकन 68 फीसदी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर हैं। भारत 50 फीसदी पर है। उल्लेखनीय है कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखने का मतलब सिर्फ सॉरी –थैंक्यू कहना नहीं है। वरना दुनिया के सबसे विनम्र लोगों वाला देश कनाडा इस स्टडी में 57 फीसदी पॉइंट के साथ कम स्कोर वाले देशों में शामिल नहीं होता। बहरहाल, यह नंबरिंग खास मायने नहीं रखती। महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि आम तौर पर हमारा व्यवहार हमारी व्यापक सामाजिक चेतना पर निर्भर करता है, जो काफी हद तक हमारे सांस्कृतिक परिवेश से तय होती है। विभिन्न देश, समाज इस मामले में अलग–अलग स्थिति में क्यों हैं, यह एक जटिल सवाल है। इस स्टडी रिपोर्ट में भी यही कहा गया है कि विभिन्न देशों की अलग–अलग स्थिति की व्याख्या करने के लिए और अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन दो बातें साफ हैं। एक तो यह कि जिन देशों और समाजों में लोग उन्नत सामाजिक चेतना से लैस हैं यानी जहां वे अनजान लोगों के हितों, उनकी भावनाओं को लेकर भी सचेत होते हैं, वहां पारस्परिक विश्वास ज्यादा होता है जिसका सकारात्मक प्रभाव राजनीतिक, आर्थिक नीतियों और विकास पर होता है।

उदाहरण के लिए, वहां कड़े कानूनों की जरूरत नहीं पड़ती और माहौल में खुलापन होता है। दूसरी बात यह है कि ये सामाजिक मानदंड एक जैसे नहीं रहते। समय के साथ इनमें बदलाव आता है। मतलब यह कि चाहे जितनी भी जटिल प्रक्रिया हो, उसका सावधानी से विश्लेषण करते हुए बदलाव की इस प्रक्रिया को सकारात्मक मोड़ दिया जा सकता है। अगर अपने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इसकी पड़ताल की जाए तो वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी पृथ्वी को परिवार मानने के आदर्श के साथ अपने ही समाज के कुछ खास हिस्सों को खुद से अलग मानने के यथार्थ का विरोधाभास अच्छी केस स्टडी हो सकता है।

मुंह मीठा करने वालों की जेब खाली क्यों

केसी त्यागी

केंद्र सरकार ने आगामी वर्ष 2021–22 के लिए गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित किया है। इसमें 1.7 प्रतिशत यानी 5 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा करके इसे 290 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जहां इसे लेकर किसानों में मायूसी है, वहीं चीनी मिल मालिकों ने अतिरिक्त बढ़ोतरी न किए जाने का स्वागत किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख घटक भारतीय किसान यूनियन ने इसका विरोध कर आंदोलन चलाने की घोषणा भी की है। गन्ने की फसल नकदी फसल कहलाती है यानी बेचते ही पैसा हाथ में आ जाना। शुगर केन कंट्रोल ऑर्डर 1966य जिसे भार्गव फॉर्म्युला कहा जाता है, उसके अनुसार गन्ना उत्पादक किसान जिस दिन गन्ना मिल के गेट पर पहुंचा देता है, उसके 14 दिन के अंदर उसे भुगतान हो जाना चाहिए है। इसके बाद लंबित भुगतान पर 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगने का प्रावधान है। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच कई महत्वपूर्ण फैसले देकर भुगतान की तारीख तय कर चुकी है, लेकिन जिलों के अधिकारी और मिल मालिकों की मिलीभगत से यह संभव नहीं हो पाता है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद व किसान नेता राजू सेठी की याचिका का संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। इसी का संज्ञान लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना आयुक्त ने मोदी नगर शुगर मिल, सिंभावली और बजाज शुगर मिल के लिए आरसी जारी करने का आदेश दिया है कि बकाया पेमेंट को लेकर उनकी संपत्ति कुर्क कर भुगतान किया जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन में यह स्वीकार किया है कि लगभग 7000 करोड़ का बकाया दिलाने की कोशिश के साथ–साथ पराली जलाने के दौरान किए गए प्रदूषण के मुकदमों में राहत दी जाएगी। इन सबके बावजूद भुगतान को लेकर सरकारी घोषणाएं बेअसर हैं। भारत विश्व में चीनी उत्पादन के क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। लगभग 5 करोड़ किसान और 40 लाख मजदूर इस उद्योग से अपनी जीविका चलाते हैं। यह उद्योग हर साल 1 लाख करोड़ की आमदनी पैदा करता है। भारत में 690 चीनी मिलें रजिस्टर्ड हैं। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के चलते मुक्त बाजार के पक्षधर सरकार पर नीतियां बदलने का लगातार दबाव बनाते रहते हैं। बाजार में चीनी का 65 प्रतिशत इस्तेमाल पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी कंपनियां करती हैं। इससे इन्हें भारी मुनाफा होता है। शीरे के उत्पादन से भी मिल मालिकों को बेशुमार मुनाफा है। शराब बनाने वाली कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल करती हैं। लेकिन सरकार शीरे के दाम भी नहीं बढ़ा रही है। 1952 से 1962 तक कृषि क्षेत्र में बजट का 35 प्रतिशत का आवंटन सुरक्षित रहता था और औद्योगिक क्षेत्र के लिए मात्र 15 प्रतिशत। लेकिन उद्योग एवं शहरों की प्राथमिकता के चलते कृषि बजट 15 प्रतिशत से भी नीचे चला गया और औद्योगिक क्षेत्र आवंटन 40 प्रतिशत से अधिक हो गया। 2014 से 18 के बीच 57345 किसानों ने आत्महत्या की है। औसतन प्रतिदिन 31 किसानों की आत्महत्याएं होती हैं। टाटा इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2016–2020 के बीच खेती से जुड़ी आय में गिरावट आई है। बजट सत्र में कृषि मंत्री ने यह माना है कि किसान परिवार की मासिक आमदनी 6426 रुपये और मासिक खर्च 6223 रुपये दर्ज किया गया है।

फिर पुराने तेवर में लौट रही है बीजेपी

2018 के अंत में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनावों में पराजय के बाद विपक्ष की जोरदार मोर्चाबंदी देखकर ऐसा लग रहा था कि 2019 में बीजेपी की नैया शायद पार नहीं होगी। लेकिन हुआ उलटा। इस बार भी उत्तर प्रदेश में बीजेपी का चुनाव अभियान परवान चढ़ गया है जबकि विपक्ष बैठकें करने और छोटे–मोटे जातीय सम्मेलन आयोजित कराने तक सीमित है। राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्षी दल...

अवधेश कुमार

बीजेपी की स्थिति पर नजर रखने वाले इस बात को स्वीकार करेंगे कि पिछले कुछ सप्ताह से पार्टी में नई स्फूर्ति और ताजगी भरी सक्रियता दिखने लगी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद और कोरोना की दूसरी लहर के बीच दिखती सुन्नता, निष्क्रियता और निस्तेजपन का दौर खत्म हो गया है। मानसून सत्र के दौरान संसद ठप कर विपक्ष ने बीजेपी को रक्षात्मक मुद्रा में डालने तथा उसके विरुद्ध देशव्यापी माहौल बनाने की कोशिश की। किंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष को जनता के बीच बेनकाब करें। यह प्रत्याक्रमण करने का आह्वान था जिसका परिणाम हमने सदनों के अंदर और बाहर देखा। मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली बीजेपी की यही पहचान रही है जो लगता था कि कहीं खो गई है। अनिश्चितता खत्म हुई: थोड़ी बारीकी से देखें तो साफ हो जाएगा कि इसके लिए नेतृत्व ने योजनाबद्ध ढंग से काम किया। इसकी शुरुआत 15 जुलाई को प्रधानमंत्री के अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी दौरे से हुई। मुख्य कार्यक्रम करीब 1600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के शिलान्यास तथा उद्घाटन का था किंतु मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने इसका बेहतरीन राजनीतिक इस्तेमाल किया। मोदी ने वाराणसी के आध्यात्मिक–सांस्कृतिक महत्त्व, उसकी गरिमा वृद्धि के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य, उत्तर प्रदेश के विकास और उसे माफिया राज तथा अपराध से मुक्त करने की मुहिम का जैसा चित्रण किया, उसने सारी अनिश्चितता दूर कर दी। स्पष्ट हो गया कि बीजेपी नेतृत्व ने रणनीति के तहत ही 11 जून को योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा कराया था। मोदी और शाह जानते हैं कि बीजेपी ही नहीं, संघ में भी योगी के प्रति आकर्षण है। मोदी की यात्रा के बीच मीडिया में कोरोना की दूसरी लहर की चर्चा खत्म हो गई। पूरा फोकस उनकी मुलाकातों और बातचीत पर रहा। उसके बाद बीजेपी ने एक दिन का भी विराम नहीं लिया। उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर बीजेपी नेताओं के दौरे, लखनऊ से दिल्ली तक बैठकें जारी हैं। बीजेपी नेतृत्व को पता है कि सामाजिक–आर्थिक विकास व जन कल्याण कार्यक्रम आदि का लाभ उसे मिलता है लेकिन उसके पक्ष में माहौल हिंदुत्व और उस पर केंद्रित राष्ट्रीयता के मुद्दों से ही बनता है। अपराध व आतंकवाद के खिलाफ पार्टी का कठोर रुख इसी से जुड़ा है और आदित्यनाथ उसके यूएसपी बनकर उभरे हैं। बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध हिंसा के बीच समर्थक ही जिस तरह से पार्टी के रुख पर सवाल उठाने लगे थे, उससे साफ था कि उन्हें फिर से विश्वास में लेना और पक्ष में काम करने के लिए प्रेरित करना है तो इनसे जुड़े मुद्दों को बार–बार सामने लाना होगा। योगी आदित्यनाथ इस लिहाज से बीजेपी के आदर्श मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण कानून का प्रारूप सामने रखा और पूरा देश इसके पक्ष और विपक्ष में बहस कर रहा है।

5 अगस्त को प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश के 6 जिलों के गरीब कल्याण योजना के लाभार्थियों से बातचीत का कार्यक्रम भी इसी रणनीति का हिस्सा था। 5 अगस्त बीजेपी के लिए बहुत मायने रखता है। इसी दिन 2016 में पाकिस्तान के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक किया गया था, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति इसी दिन हुई थी और अयोध्या में प्रधानमंत्री ने श्री राम मंदिर के लिए भूमि पूजन भी पिछले वर्ष इसी दिन किया था। उस दिन योगी अयोध्या महोत्सव के आयोजन में थे और वहीं से उन्होंने घोषणा की कि मंदिर भले 2025 में पूरा होगा लेकिन लोगों को दर्शन के लिए यह 2023 से ही उपलब्ध हो जाएगा। मई–जून और जुलाई के पूर्वार्ध तक ऐसा लग रहा था मानो बंगाल की छाया में बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक इन मुद्दों को भूल चुके हैं। कोरोना की दूसरी लहर में विपक्ष के प्रहार के सामने बीजेपी कमजोर साबित हो रही थी। मीडिया पर अगले चुनाव में बीजेपी को हराने का अभियान चल रहा था। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह एक अगस्त को उत्तर प्रदेश दौरे पर गए थे जिसमें उन्होंने लखनऊ के पास फॉरेंसिक साइंस इंस्टिट्यूट के शिलान्यास के साथ मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी मंदिर में विंध्य कॉरिडोर का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। विपक्ष इन सबकी आलोचना कर सकता है लेकिन बीजेपी की मुख्य पहचान यही है। इन मामलों में उसकी जितनी आलोचना होती है, उसे राजनीतिक रूप से उतना ही फायदा होता है। इस बीच अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू कश्मीर के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री की दिनभर की बैठकों ने भी माहौल बदलने तथा वहां सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की ओर देश का ध्यान खींचने में सफलता पाई। संयोग से इसी दौरान भारत को सुरक्षा परिषद की एक महीने की अस्थाई अध्यक्षता का दायित्व मिला और उसका भी सुनियोजित ढंग से उपयोग किया गया है। लंबे समय बाद प्रधानमंत्री ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना संबोधन दिया जिसमें समुद्री और भौगोलिक सीमा विस्तार करने करने वाले तथा आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों पर हमला करके संदेश दिया कि चीन और पाकिस्तान के प्रति रुख में किसी तरह की नरमी नहीं आई है। विपक्ष से आगे: वस्तुतः पार्टी नेतृत्व की पहचान ऐसी ही स्थितियों में होती है। मोदी और शाह ने पिछले सात वर्षों में कई बार पार्टी को निराशा और चिंता से उबारा है।

तालिबान से न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी, भारत करे तो क्या करे?

हालांकि, वेट एंड वॉच की मुद्रा से एक समय भारत को बाहर निकलना ही होगा और फिर दुनिया के देश अपने–अपने हिसाब से कदम उठाएंगे। भारत ऐसी जटिल परिस्थिति में उसी कहावत ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर पर आगे की योजना बना सकता है। भारत के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प यही हो सकता है कि हम तालिबान के साथ अपने हितों के मुताबिक बातचीत शुरू करें, जिससे ...

अनुराग मिश्र

अपने देश में एक कहावत है बदमाशों से दूर ही रहते हैं। उनकी न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी। शबदमाशोंय की जगह अपने–अपने इलाके में नई कहावतें गढ़ ली गई हैं, वो दूसरी बात है। फिलहाल बात बदमाशों की ही करते हैं। ऐसे ही कुछ बदमाश भारत के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में सत्तासीन हो चुके हैं। भारत (पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर बॉर्डर से) करीब 106 किमी की सीमा अफगानिस्तान से साझा करता है। तकनीकी लिहाज से देखें, तो उस देश में बदलते घटनाक्रम से भारत के अलर्ट रहने की यह एक बड़ी वजह है। इतना ही नहीं, भारत की लुक ईस्ट नीति हो या लुक वेस्ट, हमने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहे हैं, वो बात अलग है कि पाकिस्तान और चीन जैसे दो देशों ने कई बार पीठ में छुरा घोपने का काम किया है। पर, सर्वे भवन्तु सुखिनरू का पाठ करने वाले भारतीयों की संस्कृति हमें सब के कल्याण की ही शिक्षा देती है। ऐसे में अफगानिस्तान में जब आतंकियों ने सरकार बना ली है, भारत करे तो क्या करे? तालिबान के लड़ाके (जैसा कि कुछ लोग कहते हैं), जिहादी (ऐसा लगता है बड़े पाक मिशन पर निकले हों) जैसे शब्दों से अपना दामन छिपाने वाले इन खूंखार आंतिकयों को आतंकी न कहा जाए तो क्या कहें। जो किसी महिला के पुरुष से बात करने पर सजा दें, बच्चियों को पढने न दें, पढने की कोशिश पर गोली मार दें, खुलेआम कत्लेआम करे, महिलाओं का शोषण और दरिंदगी की हदें पार करें, ऐसे अशांति पसंद खूंखार लोगों से कैसे बरताव किया जाए। यह सवाल पाकिस्तान और कुछ हद तक चीन को छोड़कर पूरी दुनिया के सामने है। जैसे किसी लोकतांत्रिक देश में शीर्ष पद होते हैं नाम तो वैसे तालिबान सरकार में भी रखे गए हैं, बस बैठने वालों के हाथ खून से सने हैं। पश्तो जबान में छात्रों को तालिबान कहते हैं। पर वहां जो सरकार बनी है उसमें पीएम, गृह मंत्री भी वैश्विक आतंकवादी हैं। पाकिस्तान, कतर, तुर्की जैसे इस्लामिक देशों से अलग–अलग तरह की मदद पा रहे तालिबान की लीडरशिप बंदूक के दम पर राज चलाएगी या दुनिया में अपनी सरकार को मान्यता दिलाने के लिए आतंकवाद से तौबा करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। फिलहाल रवैया तो सुधार की तरफ नहीं दिख रहा है। कितना भी 2.0 की बात की जाए पर, बीते एक महीने में अलग–अलग घटनाओं से यही साबित हुआ कि तालिबान तरीका भले बदल ले पर उसकी नीयत नहीं बदलने वाली। अपने देश में भी खबरों और ट्वीट में तालिबान चर्चा में है। ओवैसी अपना पुराना वीडियो दिखाकर कह रहे हैं कि मैंने पहले ही कहा था कि सरकार तालिबान से बात करे, अब देखो वो सरकार बना बैठे हैं। पूर्व राजनयिकों की राय है कि फिलहाल तालिबान और दूसरे मित्र देशों के कदमों का इंतजार करना चाहिए। हालांकि भारत कितना वेट करेगा? करीब 23 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वहां निवेश है, क्या उसे भुला दिया जाए? भारत ने वहां की संसद बनवाई, उसे टूटने दिया जाए। अगर हमने तालिबान से दूरी बनाई और उनसे मुंह मोड़ लिया तो इस बात की पूरी आशंका है कि पाकिस्तान और चीन भारत के खिलाफ उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। तालिबान ने इस्लामिक शरीयत पर सरकार चलाने का ऐलान किया है। ऐसे में धर्म के नाम पर उकसाना, बरगलाना ज्यादा आसान होगा। वैसे भी तालिबान की टॉप लीडरशिप मतलब बड़े आतंकियों की ओर से कई बार कहा जा चुका है कि मुसलमान होने के नाते कश्मीर पर बोलने का उनका हक है। मतलब साफ है तालिबान मुस्लिम हितैषी बताकर दुनियाभर के मुसलमानों को बरगलाने की कोशिश कर सकता है। वे तो यही चाहेंगे कि दुनियाभर में खासतौर से आसपास के देशों में शरिया ही चले। ट्रेलर देख लीजिए, तालिबान में आतंकी सरकार बनी, वहां की संसद में जनप्रतिनिधियों की सीट पर ऑटोमैटिक हथियार लिए आतंकियों की तस्वीरें मीडिया में आईं, तो भारत में कुछ हमदर्दों का दिल बाग–बाग हो गया। वे कहने लगे कि तालिबान बदल गया है, कुछ ने तो इसे भारत की आजादी के क्रांतिकारियों से जोड़ दिया। कुछ नेताओं को समझ में नहीं आया तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ = तालिबान का फॉर्म्युला समझाने लगे। मतलब ऐसे गिने–चुने लोग माहौल खराब करने लगे हैं और पूरी संभावना है कि आगे भी तालिबान के फैसलों पर ये गुणगान करके गंध फैला सकते हैं। सवाल फिर वही, भारत करे तो क्या करे? अब तक भारत वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। भारत सरकार पीएम, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, विदेश मंत्री, सचिव अलग–अलग स्तरों पर अपने मित्र देशों से संपर्क में हैं और अफगानिस्तान के हालात पर मंत्रणा चल रही है। कट्टरपंथी और खूंखार आतंकी पीएम या दूसरे मंत्रियों से कैसे वार्ता की जाए, कैसे उन्हें बुलाया जाएगा, या अगर वे न्योता देते हैं तो वहां जाया जाए। यह सवाल भारतीय लीडरशिप में कौंध रहा होगा। 1996 में भले ही हमने उनकी सरकार को मान्यता नहीं दी थी, पर अब 2021 में हालात काफी बदल चुके हैं। दुनिया से अलग कटकर रहते हुए प्रतिबंधों के कारण आतंकियों के लिए मुश्किलें तमाम होंगी। वे दूसरे देशों की यात्रा नहीं कर सकते, इनके नाम से कोई देश वीजा नहीं दे सकता, न हथियार खरीद और बेच सकते हैं। न प्लेन न शिप का इस्तेमाल होगाज. पर यह भी तो समझिए कि ये आतंकी हैं इनके शब्दकोष में वैध और कानूनी जैसे शब्द नहीं हैं। श्रीनगर से 500 किमी की हवाई दूरी पर बसे काबुल में तालिबान का राज आते ही अपने घरों में बैठकर गुणा–गणित लगा रहे कश्मीर के सियासतदान फौरन उम्मीद और सच्ची शरिया की बातें करने लगे हैं। दरअसल, धर्म के आधार पर भारत और पाकिस्तान के बंटवारे ने कई तरह की दूरियां पैदा कर दीं, जिसे या तो भरने नहीं दिया गया या बनाए रखा गया क्योंकि सियासी लोगों का फायदा इसी में था। शायद यही वजह है कि इंसानियत या भारतीयता के नाम पर एकजुटता कम और धर्म के नाम एकजुटता ज्यादा असर करती है। कश्मीर को फिलहाल इससे बचाए रखना होगा। वैसे भी 370 के खत्म होने के बाद कश्मीर के सियासी लोगों के पास मुद्दे खत्म हो गए हैं और उनकी पहुंच सीमित हो गई है। वे यह जरूर चाहेंगे कि कश्मीर की दुनिया में चर्चा हो, आतंकी कश्मीरी मुसलमानों की बात करें जिससे वे अपने समीकरण साध सकें। फिलहाल, आतंकवाद पर नियंत्रण है और सेना को हालात से निपटने के लिए खुली छूट है। ऐसे में सियासी साजिश से संभलकर रहना होगा। अबतक कश्मीर को सुलगाने की साजिशें पाकिस्तान से होती रही हैं, अगर काबुल में भी लश्कर–जैश–हक्कानी की चली तो नई टेंशन खड़ी हो सकती है। इसकी वजह भी है। दरअसल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बड़े कट्टरपंथियों के स्कूल एक ही हैं। आतंकियों वाली सरकार बनी तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में एक बार फिर यह स्कूल चर्चा में है। इसका नाम है जामिया दारुल उलूम हक्कानिया। जानकार कहते हैं कि यह तालिबान की एक ऐसी यूनिवर्सिटी है, जहां से पढने वाले छात्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक, राजनीतिक और सैन्य आंदोलनों में हिस्सा लेते रहे हैं। तालिबान की नई सरकार में कई मंत्री यहीं से पढ़कर निकले हैं। इसकी बुनियाद पाकिस्तान बनने के एक महीने बाद रखी गई थी और यह पेशावर के पास स्थित है। साफ है कि दीन–दुनिया की जो बातें यहां बताई गई हैं वही पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कट्टरपंथियों के दिलोदिमाग में घुसी हैं।

ब्लाक निर्माण को लेकर थाली बजा लोगों को किया जागरूक

ब्लाक बनाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में खुखुंदू में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान संघर्ष समिति के सदस्यों ने थाली बजाकर लोगों के बीच अपनी बातें रखी। पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव ने कहा कि खुखुंदू को ब्लाक बनाने की मांग को लेकर 1991 से संघर्ष चल रहा है। लेकिन अभी तक ब्लाक बनाने का दर्जा नहीं मिल सका है। नगर पंचायत सलेमपुर के पूर्व अध्यक्ष सुधाकर गुप्त ने कहा कि जनप्रतिनिधि हर चुनाव में इसको मुद्दा बनाए और चुनाव जीने के बाद इस मुद्दे को भूल गए। जब तक खुखुंदू को ब्लाक नहीं बना दिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। नथुन राय, सोबराती किदवई, जयराम प्रसाद, लियाकत अहमद, दीन दयाल यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ब्लाक निर्माण को लेकर थाली बजा लोगों को किया जागरूक

ब्लाक बनाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में खुखुंदू में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान संघर्ष समिति के सदस्यों ने थाली बजाकर लोगों के बीच अपनी बातें रखी। पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव ने कहा कि खुखुंदू को ब्लाक बनाने की मांग को लेकर 1991 से संघर्ष चल रहा है। लेकिन अभी तक ब्लाक बनाने का दर्जा नहीं मिल सका है। नगर पंचायत सलेमपुर के पूर्व अध्यक्ष सुधाकर गुप्त ने कहा कि जनप्रतिनिधि हर चुनाव में इसको मुद्दा बनाए और चुनाव जीने के बाद इस मुद्दे को भूल गए। जब तक खुखुंदू को ब्लाक नहीं बना दिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। नथुन राय, सोबराती किदवई, जयराम प्रसाद, लियाकत अहमद, दीन दयाल यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षकों का धरना

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के तत्वावधान में शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के सामने पुरानी पेंशन बहाली समेत विभिन्न मांगों को लेकर धरना दिया। उप मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार गुप्ता को सौंपा। मांगे जल्द पूरी न होने पर घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन करने की शिक्षकों ने चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष कैप्टन जितेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षकों का वेतन तक नहीं निर्गत किया जा रहा है। कार्यालय में आने वाले शिक्षकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। कहा कि माध्यमिक विद्यालयों की समयावधि अविलंब शिक्षा संहिता के अनुसार होना चाहिए और नियम विरुद्ध तुगलकी फरमान बंद होना चाहिए। संरक्षक बाबूलाल यादव ने कहा कि पुरानी पेंशन हर हाल में बहाल होनी चाहिए। 13 फरवरी 2019 के शासनादेश के अनुरूप एनपीएस के नियोक्ता का अंशदान तथा ब्याज की धनराशि शिक्षकों के खाते में दिया जाना चाहिए। कहा कि संघर्ष में ही शक्ति है, अपनी मांगों को मनवाना है तो मुट्ठी बांध कर संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा। डा.टीपी सिंह ने कहा कि शिक्षक संगठित होकर संघर्ष करें। प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि डीआइओएस कार्यालय की कार्य व्यवस्था में बदलाव किया जाए, अन्यथा आंदोलन को उग्र किया जाएगा।

नाव से तस्करी कर ले जाई जा रही लकड़ी बरामद

महराजगंज। सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के निचलौल रेंज अंतर्गत गंडक बीट के जंगल से काटकर नदी रास्ते ले जाई जा रही लकड़ी को वनकर्मियों ने . रात में पकड़ लिया। जहां रात के अंधेरे में तस्कर नदी में कूदकर भाग निकले। जिसके बाद नाव व लकड़ी सहित एक साइकिल जब्त कर वन विभाग कार्रवाई में जुट गया है। वन क्षेत्राधिकारी निचलौल जगरन्नाथ प्रसाद ने बताया कि नारायणी नदी सटे निचलौल रेंज के गंडक बीट के जंगल से लकड़ी काटकर नेपाली तस्कर रात में नदी रास्ते नाव द्वारा ले जा रहे थे। जिसकी सूचना मिलने पर तत्काल बीट प्रभारी व अन्य वनकर्मियों को देकर मौके पर भेजा। जहां नाव से नदी में उतर कर जब वनकर्मी तस्करों के पास पहुंचे तो ना में सवार सभी तस्कर नदी में कूदकर भाग निकले। जिसके बाद नाव को कब्जे में लेकर उसे किनारे लाया गया। जहां तलाशी लेने पर उसमे चार बोटा गुटेल की लकड़ी व एक साइकिल बरामद हुई।

मारपीट में प्रधान घायल

महराजगंज। भिटौली सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के भैंसी के ग्राम प्रधान बृजेश उर्फ गुड्डू वर्मा बीती रात मारपीट में गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। कोतवाल मनीष सिंह यादव ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर पड़ी है। जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मार्ग दुर्घटना में दो घायल

महराजगंज। श्यामदेउरवा क्षेत्र के बसहिया खुर्द पेट्रोल पंप के समीप गोरखपुर से दो बाइक सवार आपस में भिड़ गए। ग्रामसभा धरमौली निवासी सहबान थाना चौक व महुअवा निवासी बृजेश कुमार थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया। जहां स्थिति गंभीर देख डाक्टरों ने सहबान को मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया, जबकि बृजेश का जिला अस्पताल महराजगंज में इलाज चल रहा है।

संसाधनों के बारे में ली जानकारी

महराजगंज। जिलाधिकारी द्वारा नामित नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धानी का निरीक्षण किया। उन्होंने सरकार द्वारा आम जन के लिए अस्पताल में उपलब्ध कराए गए संसाधनों के बारे में स्वास्थ्य कर्मियों से जानकारी प्राप्त की । जिला विद्यालय निरीक्षक ने इस दौरान लेबर रूम, कोरोना वार्ड, अस्पताल परिसर का गहन निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मौजूद मरीजों के स्वजन ने केंद्र पर एक्सरे मशीन और अल्ट्रासाउंड मशीन न होने की बात कही। अस्पताल के चिकित्सकों ने आवास नहीं होने से हो रही समस्या से नोडल अधिकारी को अवगत कराया। अधीक्षक डा. प्रकाश चंद चौधरी, डा. संजय मिश्रा, डा. हरिकेश कुमार, फार्मासिस्ट सत्य प्रकाश मिश्रा, घनश्याम पांडेय ,संतोष तिवारी,मनोज मिश्रा उपास्थित रहे।

मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बिजली विभाग के अवर अभियंता

देवरिया। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन के तत्वावधान में अवर अभियंताओं की समस्याओं को लेकर अवर अभियंताओं का आंदोलन . तेज हो गया। अवर अभियंताओं ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर 24 घंटे का भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। अवर अभियंताओं के हड़ताल पर जाने से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई हैं। बिजली आपूर्ति पर अधिशासी अभियंता व एसडीओ की नजर है। संगठन के मंडलीय सचिव पुष्कर उपाध्याय ने कहा कि वेतन विसंगति को दूर करने, पुरानी पेंशन बहाली किया जाए। जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती है, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष अमित प्रताप सिंह ने कहा कि प्रबंधन न तो कर्मचारियों का ध्यान दे रहा है और न ही उपभोक्ताओं का ही ध्यान दे रहा है। एनके सिंह, संदीप कुमार, रोशन कुमार, भोला नाथ, अरुण चौधरी, शशांक चौबे, मनीष प्रजापति, अवधेश कुमार, नीरज यादव, धीरेंद्र चौरसिया, रामप्रवेश यादव, राजा कुमार, शशिकांत आदि अवर अभियंता मौजूद रहे। बरहज व देवरिया के अधिशासी अभियंता से मांगा स्पष्टीकरण जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने .देर शाम गूगल मीट के माध्यम से विद्युत बिल वसूली की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कम राजस्व वसूली पर नाराजगी जताते हुए देवरिया व व बरहज के अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही 15 दिन के भीतर विशेष वसूली अभियान चलाने का निर्देश दिया। कहा कि देवरिया के अधिशासी अभियंता पांच केवी कनेक्शन वाले सभी 142 बकायेदारों के कनेक्शन काट दें। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। सभी अधिकारी राजस्व वसूली के काम को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि खनन एवं धातु कर्म विभाग बड़े डिफाल्टर से वसूली का काम तेज कर दें। परिवहन विभाग की अगस्त की वसूली अपेक्षा के अनुरूप न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। मुख्य राजस्व अधिकारी अमृतलाल बिद, नवागत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह, अशोक कुमार शर्मा, दुर्गेश गर्ग, पंकज सिंह जुड़े रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षकों का धरना

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के तत्वावधान में शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के सामने पुरानी पेंशन बहाली समेत विभिन्न मांगों को लेकर धरना दिया। उप मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार गुप्ता को सौंपा। मांगे जल्द पूरी न होने पर घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन करने की शिक्षकों ने चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष कैप्टन जितेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षकों का वेतन तक नहीं निर्गत किया जा रहा है। कार्यालय में आने वाले शिक्षकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। कहा कि माध्यमिक विद्यालयों की समयावधि अविलंब शिक्षा संहिता के अनुसार होना चाहिए और नियम विरुद्ध तुगलकी फरमान बंद होना चाहिए। संरक्षक बाबूलाल यादव ने कहा कि पुरानी पेंशन हर हाल में बहाल होनी चाहिए। 13 फरवरी 2019 के शासनादेश के अनुरूप एनपीएस के नियोक्ता का अंशदान तथा ब्याज की धनराशि शिक्षकों के खाते में दिया जाना चाहिए।

कहा कि संघर्ष में ही शक्ति है, अपनी मांगों को मनवाना है तो मुट्ठी बांध कर संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा। डा.टीपी सिंह ने कहा कि शिक्षक संगठित होकर संघर्ष करें। प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि डीआइओएस कार्यालय की कार्य व्यवस्था में बदलाव किया जाए, अन्यथा आंदोलन को उग्र किया जाएगा। रवींद्र सिंह, श्रीकांत यादव, रामाशीष यादव, महेंद्र प्रसाद गोंड़, कुंवर शैलेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, जंगशेर सिंह, अभिराज, डा.वीरेंद्र कुमार गुप्त, केडी सिंह, हरेंद्र सिंह आदि शिक्षकों ने भी संबोधित किया।

टीका लगवाने के लिए जिला अस्पताल में किया हंगामा

देवरिया। जिला अस्पताल में कोरोनारोधी टीका लगवाने को लेकर लोगों ने हंगामा किया। इस दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। भीड़ की वजह से अव्यवस्था का आलम था। उधर जिले के 162 केंद्रों पर 33345 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। जिला अस्पताल में कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए विदेश जाने वाले लोगों की भीड़ उमड़ी थी। भारी अव्यवस्था के बीच लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। कई बार युवकों ने हंगामा किया। जिन्हें मुश्किल से लोगों ने संभाला। एक फ्रंटलाइन वर्कर को द्वितीय डोज दिया गया। जिले में कुल 32730 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक 18695 लोगों को प्रथम डोज व 1754 को द्वितीय डोज दिया गया।

45 से 60 वर्ष के लोगों में 6542 को प्रथम व 2290 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से उपर 2734 को प्रथम डोज व 1329 को द्वितीय डोज दिया गया। कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लोग परेशान हैं लेकिन लोगों को टीका नहीं लग पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग सर्वाधिक परेशान हैं। 1822 की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव, दो पाजिटिवः जिले में तीन दिन से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी है। इसे लेकर एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। .आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 1822 की रिपोर्ट निगेटिव व दो की पाजिटिव रही। पाजिटिव संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की सैंपलिग में पूरा दिन स्वास्थ्यकर्मी लगे रहे। जिले में सक्रिय केस की संख्या बढ़ कर चार हो गई है। जिले में अभी तक कोरोना से 219 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। 19991 लोग इलाज कराकर स्वस्थ हो चुके हैं। 24 घंटे में 1458 लोगों की कोरोना जांच की गई। कुल 884790 लोगों की जांच की जा चुकी है। कुल संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 20214 हो गई है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि आज दो की कोरोना जांच रिपोर्ट पाजिटिव आई है। जहां भी कोरोना पाजिटिव मरीज आ रहे हैं, वहां निरोधात्मक कार्य कराने के साथ ही संक्रमित के संपर्क में आए लोगों की सैंपलिग कराई जा रही है। सभी संक्रमित होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में हैं।

भाजपा सरकार में सुरक्षित है हर वर्ग का सम्मान : हरीश द्विवेदी

महराजगंज। निचलौल स्थानीय ब्लाक सभागार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बस्ती के सांसद हरीश द्विवेदी उपस्थित रहे। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित लोगों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। मुख्य अतिथि हरीश द्विवेदी ने विकास और राष्ट्रवाद को पार्टी की प्राथमिकता बताया है। इतना ही नहीं इन्होंने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि पहले की सरकारों में केवल गरीबों का शोषण हुआ है। जबकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में गरीब को खुशहाल जीवन बिताने के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रहीं हैं।

भाजपा में हर वर्ग का सम्मान होता है। कार्यक्रम का संचालन संतोष सिंह ने किया। जिलाध्यक्ष परदेशी रविदास, विधायक प्रेमसागर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल,पूर्व विधायक महन्त दुबे, जिला उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद अग्रहरि, नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, अजय श्रीवास्तव, हरिनाथ भाई, ज्योतिष मणि त्रिपाठी, आनंद त्रिपाठी, अभिषेक पाण्डेय, दीपक चौधरी, गौतम चौधरी, मुन्ना गोंड़, संजय श्रीवास्तव रहे। भाजपा की नीतियों से जनता हो रही लाभांवितः फरेंदा कस्बे के छतरी चौराहे पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व बस्ती के सांसद हरीश द्विवेदी का .दोपहर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में सभी वर्गों का विकास हुआ है। जनता की किसी भी प्रकार की समस्या को दूर करने के लिए पार्टी निरंतर प्रयास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की नीतियां आम जनता के लिए प्रासंगिक हैं। जनता की सेवा के लिए कार्यकर्ता सदैव तत्पर है। क्षेत्रीय विधायक बजरंग बहादुर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश जायसवाल, विवेका पांडेय, डब्बू सिंह, विजय श्रीवास्तव, संजय मिश्रा, प्रदीप सिंह, अमरेश सिंह मौजूद रहे।

महंगाई व भ्रष्टाचार से जनता परेशान : नरेश उत्तम

महराजगंज। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि जनता महंगाई व भ्रष्टाचार से परेशान है। रसोई गैस, डीजल– पेट्रोल व खाद्य तेल के दाम हर दिन बढ़ रहे हैं। जनता आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता की कमान अखिलेश यादव के हाथ में देने का मन बना चुकी है। पटेल महराजगंज जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके पूर्व जिले में आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष का जगह–जगह सपाइयों ने जिलाध्यक्ष आमिर हुसैन के साथ भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम के दौरान आगामी चुनाव के लिए सभी को अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश भी दिए। खेत–खलिहान, कुटीर उद्योग बचाओ, रोजगार दो किसान नौजवान पटेल यात्रा के 16वें दिन महराजगंज पहुंचने पर कतरारी के पास प्रदेश अध्यक्ष के काफिले का भव्य स्वागत हुआ। जनपद के परतावल, निचलौल व फरेंदा में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने पूरी तरह से मन बना लिया है कि आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में सत्ता की कमान अखिलेश यादव के हाथों में देनी है। भारतीय जनता पार्टी पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली सरकार है। जिसके कारण खेतिहर मजदूर किसान परेशान हैं। गन्ना के मूल्य बढ़ोतरी को लेकर सरकार इतनी गंभीर है कि प्रति किलो पांच पैसा दाम बढ़ाकर किसानों के साथ क्रूर मजाक कर रही है। खरीफ के पराली को लेकर किसान अभी से चिंतित हो चुका है। सरकार मदद तो नहीं दे रही है, लेकिन जुर्माना और मुकदमा पहले ठोक रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार आने पर सभी वर्गों को सम्मान दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने पुरैना व विशुनपुर गबड़ुआ में भी कार्यक्रम को संबोधित कर सरकार के नीतियो की निंदा की। फरेंदा संवाददाता के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर फरेंदा विधानसभा में सपाइयों ने बाइक रैली निकालकर भव्य स्वागत किया। त्रिमुहानी घाट पुल से लेकर फरेंदा तक गाड़ियों के लंबा काफिला प्रदेश अध्यक्ष को लेकर फरेंदा कार्यक्रम स्थल पहुंचा। जहां प्रदेश अध्यक्ष पटेल ने कहा की सपा की सरकार बनने पर दवा, पढ़ाई मुफ्त हो रोटी कपड़ा सस्ता हो का सपना साकार होगा। निचलौल संवाददाता के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा सरकार शासन में आते ही पुरानी पेंशन की बहाली से लेकर अन्य मुद्दों पर काम करेगी। युवाओं को रोजगार मिलेगा। पनियरा विधानसभा अध्यक्ष अमरनाथ यादव उर्फ लल्ला यादव, विद्यासागर यादव, अखिलेश कटियार, सन्तोष सिंह सैथवार, हरेंद्र कृष्ण त्रिपाठी, आमिर खान, सुमन ओझा, राजेश यादव, पूर्व प्रमुख पप्पू सिंह, रामनिवास यादव, भाई रामलाल यादव, जगदम्बा गुप्ता, अतुल पटेल, विद्रेश कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय प्रधान संघ की बैठक हुई संपन्न

प्रधानो की समस्या और सुझावों पर की गई विस्तृत चर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। अखिल भारतीय प्रधान संघ की बैठक विकास खण्ड सभागार सुकरौली में हुई संपन्न। प्रधानो की समस्याओं और सुझावों पर प्रमुख रूप से 11 बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय प्रधान संघ जिलाध्यक्ष कुशीनगर अकबर अंसारी ने की एवं कार्यक्रम का संचालन प्रधान संघ उपाध्यक्ष सुकरौली सुरेंद्र आर्या द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय प्रधान संघ के राष्ट्रीय सचिव चंद्रप्रकाश यादव रहे। इस दौरान प्रधान संघ जिलाध्यक्ष कुशीनगर अकबर अंसारी, प्रधान संघ ब्लाक अध्यक्ष प्रतिनिधि सुकरौली विनोद सिंह,उपाध्यक्ष सुरेंद्र आर्या, कोषाध्यक्ष ज्योति सिंह, महामंत्री भीमसेन प्रसाद उर्फ भीम,संजय पटेल, दूधनाथ उर्फ डीएन, ध्रुव नारायण सिंह, विनय पटेल, राकेश सिंह, शशी सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व प्रधान प्रतिनिधि रणजीत सिंह, प्रधान प्रतिनिधि रिंकू गौड, योगेंद्र कुशवाहा, सुभाष चौहान व प्रधान प्रतिनिधि हरेंद्र कुमार गौतम आदि प्रधानगण एवं प्रधान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बंशीचन्द पी जी कॉलेज चिलवां में मनाया गया हिंदी दिवस

सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है हिन्दीः ड़ा कौशलेश मिश्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। क्षेत्र स्थित बंशीचन्द पी जी कॉलेज चिलवा पर मंगलवार को हिंदी बिभाग में बड़े ही धूमधाम के साथ हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं एवम शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय

के प्राचार्य ड़ा कौशलेश मिश्रा ने कहा कि पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य हिंदी ही कर सकती है। विभागाध्यक्ष ड़ा आलोक कुमार सिंह ने कहा कि भारत की समावेशी संस्कृत ही हिंदी है। प्रवक्ता राणा करुणेश सिंह ने हिंदी के उदभव एवम बिकास पर बिधावत प्रकाश डाला। उपप्राचार्य ड़ा राणा सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि हिंदी भारत माता के माथे की बिंदी है। कार्यक्रम का संचालन ड़ा रोहित चन्द ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ड़ा शिवकुमार पांडेय सन्तोष सिंह मृत्युंजय कुमार सिंह शिखर श्रीवास्तव नरेंद्र कुमार ममता शर्मा नूतन दुबे सविता मिश्र निधि पांडेय आदि समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं भारी संख्या में उपस्थित रहे।

किसान कल्याण मिशन कृषि पाठशाला मे किसानों को किया गया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

जारा/नौतनवां। ग्राम पंचायत जारा के प्राथमिक विद्यालय मे

कृषि विभाग द्वारा आज कृषि पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से कृषि सहायक रहे स उनके द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि सुरक्षा, अधिक उपज, खरपतवार नाशक, दवाओं व विभिन्न संसाधनों द्वारा कृषि को और प्रभावशाली किसानों को और अधिक लाभ के लिए इस पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है व सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि योजनाओं को किसान तक पहुंचाने के लिए सभी ग्राम सभी ग्राम पंचायतों में कृषि मोबाइल ऐप कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है इस कार्यक्रम में किसानों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित अपनी समस्याएं भी बताई स ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार पासवान सुरेश विश्वकर्मा हाजी साहब प्रभु पासवान पप्पू शुक्ला मोहन यादव केशव प्रहलाद सरोध पासवान फूलमती जोजो राकेश तिवारी विपिन तिवारी नजर चौधरी इरशाद अली सफीक अहमद पलटू यादव इत्यादि सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

इलाज की प्राचीनतम पद्धति है होम्योपैथ – पवन केडिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटा में स्थित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय के जीर्णोद्धार भवन का शुभारंभ स्थानीय विधायक पवन केडिया जी ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को

संबोधित करते हुए कहा कि इलाज की प्राचीनतम पद्धति होम्योपैथ है होम्योपैथ से किसी भी रोग को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। डॉ हैनीमैन ने इलाज के लिए किसी भी रोग के इलाज हेतु दुनिया के सामने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सीएससी प्रभारी डॉ एल बी यादव, डॉ सत्य प्रकाश राय, डॉ विजय प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, टुनटुन राव, मंडल महामंत्री अरुण पाण्डेय, मुंशी सिंह, नंदेश्वर गुप्ता, रजनीश बरनवाल, आनंद वर्मा, मुन्ना शुक्ला, सुधाकर पाण्डेय एवं सम्मानित बन्धु उपस्थित रहे।

प्रबुद्ध जनों के बिना कोई भी कार्य फलीभूत नहीं होताः रमाशंकर पटेल

घोरावल विधायक के आवास परिसर में भाजपा के बौद्धिक सम्मेलन में प्रबुद्ध जनों का रहा जमावड़ा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। प्रबुद्ध समुदाय के बिना कोई भी सांगठनिक कार्य सफलीभूत नहीं हो पाते हैं। आदमी को ऊर्जा विचारों से मिलती है और विचारों के बिना योजना नहीं बन पाती तथा यह सब तब सम्भव हो पाता हैं जब प्रबुद्ध वर्ग अपने व्यक्तित्व प्रदर्शित करता है। यह बातें मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र घोरावल के प्रबुद्ध जनों की समागम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के ऊर्जा राज्य मंत्री उमाशंकर सिंह पटेल ने कही। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने विधायक डॉ.अनिल कुमार मौर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष मीरजापुर लालबहादुर सिंह,ओमप्रकाश दुबे व कई अन्य प्रबुद्ध जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

प्रबुद्ध कोई एक व्यक्ति, एक जाति या एक समुदाय नहीं होता बल्कि इसमें सभी बुद्धिजीवी वर्ग के लोग समाहित हैं । घोरावल विधायक डॉ.अनिल कुमार मौर्य ने समस्त स्वजनों,परिजनों,अभिजनों के साथ प्रबुद्धवर्ग का स्वागत करते हुए मन्च से योग्यता–दक्षता सँग यश कीर्ति अभिवर्धित करने वाले समुपस्थित समुदाय को शब्दों से महिमामण्डित किया। और इसीप्रकार संगठन व सरकार की कीर्ति में उत्तरोत्तर अभिवृद्धि करते रहने की कामना की। अध्यक्षता कैलाश प्रसाद ने की व सफल संचालन ओमप्रकाश दुबे ने किया। मौके पर ललजी तिवारी,राजकुमार चौबे, अजय चतुर्वेदी, हिमांशु कुमार सिंह,सुनील चौबे, अरूण पांडेय, घोरावल नगर पंचायत चौयरमैन राजेश कुमार , संजय जायसवाल, अजय सिंह,डॉ.परमेश्वर दयाल पुष्कर , मनीषा राय व बार एसोसिएशन के अधिवक्ता तथा दूर दराज से आये प्रबुद्ध जन भारी संख्या में मौजूद रहे।

बिजौली गांव में संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सपा सरकार में खुब विकास कार्य हुये, जनहित की योजनाओं का लाभ हकदारों को मिला, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार में जनहित की योजनाएं प्रभावित हुई है, उक्त बातें पूर्व सदर विधायक अविनाश कुशवाहा ने मंगलवार बिजौली में आयोजित संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं तथा क्षेत्रीय जनता को संबोधित करते हुए कही, उन्होंने सपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि सिंचाई व्यवस्था के लिए जनपद में जो कुछ किया सपा सरकार ने ही किया है। मगर वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों के चलते सिचाई परियोजनाए प्रभावित है, यही नहीं सपा सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए सार्वजनिक स्थानों पर हाई मास्क लाइट, सड़के एवं बिजली सुधार के लिए विद्युत सब स्टेशन, जर्जर तारों के बदलने के साथ ही अन्य कार्य भी युद्ध स्तर पर किए। उन्होंने आगे यह भी कहा कि सपा सरकार द्वारा

जारी समाजवादी पेंशन को वर्तमान भाजपा सरकार ने बंद कर महिलाओं के साथ अन्याय किया है किंतु सपा सरकार बनते ही यह पेंशन फिर चालू हो जाएगी और पात्र महिलाओं को प्रतिमाह दो हजार रूपये उनके खाते में भेजा जाएगा। पूर्व सदर विधायक ने यह भी वादा किया कि सपा सरकार बनी तो तीन सौ यूनिट मुफ्त में बिजली दी जाएगी, कन्या विद्याधन, हाई स्कूल एवं इण्टर पास विद्यार्थियों को पहले जैसी ही सुविधाएं मिलेगी, उन्होंने कहा कि जितना काम सपा सरकार ने किया है उतना काम भाजपा सरकार नहीं किया। यह सभी मुद्दे पर फेल है, इसकी घोषणा हवा–हवाई साबित हो रही है। पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ होते हैं, इनके बल पर ही संगठन मजबूत होता है और हर काम सफल होता है, ऐसे में सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से लग जाएं और गांव–गांव, घर–घर जाकर सपा सरकार तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की उपलब्धियों को बताएं। इस मौके पर कृपाशंकर चौहान, अभिषेक भारती, सुरेश भारती, ओम प्रकाश मौर्या,, बच्चन बियार, विद्यासागर मौर्य, विनोद पासवान, जयश्री प्रसाद गिरी, रेखा देवी, उमेश विश्वकर्मा समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रीय जनता गण मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख ने पांच जरूरतमंद दिव्यांगों को व्हीलचेयर वितरण किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। म्योरपुरविकास खण्ड परिसर में मंगलवार को ब्लाक

प्रमुख मॉन सिंह गोड़ व खण्ड विकास अधिकारी निरंकार मिश्रा में सँयुक्त रूप से 5 असहाय लोगो को व्हीलचेयर वितरण किया व्हीलचेयर पाकर लोगो के चेहरे चमक उठे । ब्लाक प्रमुख गोड़ ने कहा कि सरकार की मंशा है समाज के अन्तिम ब्यक्ति को सरकारी लाभ मिले प्राथमिकता के आधार पर ग्रामीणों को लाभ दिया जा रहा है। खण्ड विकास अधिकारी निरंकार मिश्रा ने कहा कि ऐसे जो भी ग्रामीण वंचित रह गए है अपने ग्राम विकास अधिकारी से संपर्क करें उन्हें भी शासन से मिलने वाले योजनाओं को दिया जाएगा इस दौरान समाज सेवी सुधीर कुमार,मॉनबहादुर,आर्यन सिंह आदि मौजूद रहे।

सोनौली बॉर्डर से लगा 18 किलोमीटर तक लगा लंबा जाम, यात्री परेशान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनौली/महराजगंज। भारत–नेपाल के सोनौली बॉर्डर से

लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 18 किलोमीटर तक मालवाहक ट्रकों का लंबा जाम लगा हुआ है। बताते चले की जाम के कारण यात्री वाहनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मालवाहक ट्रकों की जाम में अगर कोई यात्री वाहन फस गया तो समझिए उसे निकलने में घंटों लग जाएगा। खबरों के मुताबिक पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के भैरहवां भंसार कंपाउंड में मालवाहक ट्रकों के खड़ा करने के लिए उचित स्थान न रहने के कारण मालवाहक ट्रके प्रमुख सड़कों पर आ गई हैं। जिसका परिणाम है कि मंगलवार को भारत नेपाल के सोनौली बॉर्डर से लेकर 18 किलोमीटर दूर संपत्तिहां गांव तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूरी तरह से जाम लगा हुआ है। फोरलेन का यह राष्ट्रीय राजमार्ग के दो लेन पूरी तरह से बंद है। एक लाइन से ट्रके आ जा रही हैं। जिसके कारण कभी–कभी वाहनों का इस कदर जाम लग जा रहा है कि यात्री बसों में सवार यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह जाम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जिम्मेदार मौन साथ रखे हैं। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी नौतनवा कोमल मिश्रा से बातचीत किया गया तो उन्होंने कहा कि जाम नेपाल के कारण भारतीय सीमा में लग रहा है जाम को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस फोर्स लगाई गई है।

पुरानी पेन्शन के हक में शिक्षकों ने की आवाज बुलन्द

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। ब्लाक संसाधन केन्द्र घोरावल के परिसर में प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले आज विकासखण्ड घोरावल के शिक्षक, अनुदेशक व शिक्षामित्र एकत्रित होकर इक्कीस सूत्री मांगों के समर्थन में धरना दिया। अपरान्ह बारह बजे से शिक्षकों का हूजूम बीआरसी परिसर में एकत्रित होने लगा था।सभी के मन मष्तिष्क में एक ही विचार कि कर्मचारी के हित में पुरानी पेन्शन बहाल हो। आपको बताते चलें कि 2005 के बाद सरकार ने पुरानी पेन्शन को खत्म कर नयी अंशदायी पेन्शन योजना लागू की है।उपस्थित शिक्षकों ने सरकार को अल्टीमेटम दिया कि लोक कल्याण भावना से कार्य करके पुरानी पेन्शन बहाल की जाय। शिक्षामित्रों ,अनुदेशकों ने अपनी

बातें करते हुए बताया कि जीवन का स्वर्णिम काल हमने विभाग को समर्पित कर दिया और आज हम मनरेगा के मजदूर से भी गये गुजरे हैं। धरना प्रदर्शन को यूटा ,अटेवा ,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ,महिला शिक्षक संघ व यूटेक का समर्थन प्राप्त था। मातृशक्ति ने बडे ही जोशीले अंदाज में सरकार को चेताया कि सरकार हमारे धैर्य की परीक्षा न ले नहीं तो हम सृजनकर्ता है प्रकृति की शक्ति हैं हमें सम्मान से नवाजा जाय। अटेवा ब्लाक अध्यक्ष राजेश सिंह ,उपाध्यक्ष राजेश बैश्य,यूटा अध्यक्ष राजीव कुमार,महिला संघ अध्यक्ष कौशर जहाँ सिद्दीकी व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से हिमांशु मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किया। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिवशंकर जिनके नेतृत्व में यह धरना दिया गया उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी को एकजुट रहने व गलत बातों का विरोध करने के साथ अधिकारियों को चेताया कि हमसे मानवता से पेश आयें और हमारे हितों का ध्यान रखें।कार्यक्रम का संचालन यूटेक महामंत्री अभिषेक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर एआरपी दीनबन्धु त्रिपाठी, अखिलेश सिंह ,सौरभ श्रीवास्तव ,सत्यनारायण सिंह,उदय लहरी,लायक वैश्य मो. कलीम,प्रदीप सिंह,नेहा सिंह,शिखा मिश्रा,कीर्ति तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

चोरी की बाईक के साथ एक अभियुक्तगिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। बीजपुर मंगलवार की सुबह वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक चालक चोरी की बाइक के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस ने मय माल बरामदगी की करवाई करते हुए चालान कर दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह उप निरीक्षक बृजेश कुमार पांडेय मय हमराह सिपाही विवेक कुमार राय, धीरज पटेल, सुधाकर यादव, सिरसोती

बैरियर पर वाहन चेकिंग कर रहे थे कि बैढन की तरफ से एक बाइक सवार तेज गति से आता दिखाई दिया पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो बाइक सहित सवार फिसल कर गिर गया और उठकर भागने लगा जिसपर पुलिस ने तत्काल दौड़ा कर पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त से पूछताछ में अपना नाम अख्तर उम्र 25 पुत्र कासिम शेख निवासी चरगुड़ा, थाना बैढन सिंगरौली बताया। वाहन और कागजात की जांच के दौरान उसने बाइक चोरी की बताई । पुलिस ने बाइक सहित अभियुक्त को थाने लाकर पूछताछ के बाद करवाई करते हुए चालान कर दिया। इसबाबत प्रभारी निरीक्षक देवतानन्द सिंह ने बताया कि 25 जुलाई को बीजपुर प्लांट गेट से विनोद जायसवाल निवासी इंजानी की एक बाइक चोरी हुई थी जिसमे दर्ज मुकदमा अपराध 76ध्21 धारा 379 के तहत करवाई करते हुए माल मुकदमाती थाने में बाइक के जप्ति करवाई करते हुए अभियुक्त को चालान कर दिया गया है।

दुद्धी में पुलिस सहायता केंद्र का सोनभद्र एसपी ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। दुद्धी कस्बा स्थित म्योरपुर तिराहे पर बनकर तैयार

पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने फीता काटकर व नारियल तोड़ कर किया। पुलिस सहायता केंद्र से खासकर आपराधिक घटना पर नियंत्रण रखा जाएगा।उद्घाटन के दौरान एसपी अमरेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सुरक्षा के लिए पुलिस हमेशा तैनात रहेंगे और क्षेत्र के लोग भयमुक्त रहे। यह पुलिस सहायत केंद्र आमलोगों की सुविधा के मद्देनजर ही बनाया गया है। जिसमे 24 घंटे पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे और आपराधिक प्रवृत्ति ले लोगों पर नजर रखी जायेगी । इस अवसर नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रहरी वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र अग्रहरी, मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह उर्फ बबलू,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सुमित सोनी, महामंत्री मोनू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक राजीव सिंह, सीओ रामाशीष यादव, प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह सहित नगर के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

शिक्षकों ने 21 सूत्री मांग को लेकर भरी हुंकार

सोनांचल के सभी बीआरसी केंद्रों पर प्राथमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने दिया धरना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। प्रदेश नेतृत्व के आवाह्न पर परिषदीय शिक्षकों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तरप्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सोनभद्र के सभी दसों विकास खण्डों के ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत धरना कर हुंकार भरी। धरना प्रदर्शन को यूटा ,अटेवा ,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ,महिला शिक्षक संघ व यूटेक समेत लगभग समूचे शिक्षक संगठनों का समर्थन प्राप्त था जिसकी परिणति आपार जनसैलाब में बदल गयी। इसी

क्रम में बीआरसी घोरावल के परिसर में प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों, अनुदेशकों व शिक्षामित्रों ने एकत्रित होकर इक्कीस सूत्रीय मांगों के समर्थन में धरना दिया। अपरान्ह बारह बजे से शिक्षकों का हूजूम बीआरसी परिसर में एकत्रित होने लगा था। सभी के मन मष्तिष्क में एक ही विचार कि कर्मचारी के हित में पुरानी पेन्शन, ट्रांसफर, प्रोमोशन आदि मुद्दे बहाल हो।

प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष घोरावल शिवशंकर ने बताया कि जीवन का स्वर्णिम काल हमने विभाग को समर्पित कर दिया और आज हम मनरेगा के मजदूर से भी गये गुजरे हैं। उन्होंनेअधिकारियों को चेताया कि हमसे मानवता से पेश आयें और हमारे हितों का ध्यान रखें। राज्य पुरस्कृत शिक्षक दीनबन्धु त्रिपाठी ने कहा की सरकार ने पुरानी पेन्शन को खत्म कर एनपीएस लागू की है। उन्होंने सरकार को अल्टीमेटम दिया कि लोक कल्याण भावना से कार्य करके पुरानी पेन्शन बहाल की जाय। इस अवसर पर एआरपी दीनबन्धु त्रिपाठी, अखिलेश सिंह , हिमांशु मिश्र, राजेश सिंह, राजेश बैस, उदय लहरी, मो. कलीम, राजीव कुमार, कौसर जहां सिद्दीकी, सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहीं।

अमृत महोत्सव रैली में सम्मिलित जवानों का नपा अध्यक्ष हाटा के नेतृत्व में अभूतपूर्व स्वागत एवं अभिनंदन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। आजादी का अमृत महोत्सव केंद्रीय सशस्त्र

पुलिस बलों और असम राइफल्स गृह मंत्रालय द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। अमृत महोत्सव साइकिल रैली में सम्मिलित सशस्त्र सीमा पुलिस बलों एवं असम राइफल्स के जवानों का नगरपालिका अध्यक्ष हाटा मोहन वर्मा के नेतृत्व में बाघनाथ चौराहे पर अभूतपूर्व स्वागत एवं अभिनंदन किया। स्वागत के दौरान नपा.अध्यक्ष मोहन वर्मा के साथ पूर्व प्रधान बाघनाथ संतोष श्रीवास्तव, बबलू जायसवाल, रफउल्ला खान,अंबरीश पटेल मुकेश यादव, अर्जुन गुप्ता, देवेंद्र मिश्रा सुभाष सिंह, सुधीर सिंह, अजय राव उपस्थित रहे। भारत अपनी आजादी के 75 वे वर्ष को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है गृह मंत्रालय ने इस समारोह के हिस्से के रूप में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल द्वारा 75 साइकिल रैलीयों सहित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का योजना बनाई है! यह रैलियां देश के विभिन्न हिस्सों से शुरू होगी और राष्ट्रपिता की जयंती के अवसर पर यानी 2 अक्टूबर 2021 को राज घाट नई दिल्ली में समाप्त होगी। यह रैलियां भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति के साथ साथ 75 साल की प्रगति और विकास को याद करती है! साइकिल रैली का मार्ग में इस तरह से तैयारी की गई है। कि यह भारत के स्वतंत्र संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों से होकर गुजरे इस रैली में भाग लेने वाले साइकिल चालक रास्ते में आने वाले लोगों के साथ बातचीत करते और जनता को आजादी का अमृत महोत्सव से जोड़ेंगे और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलाएंगे।

राज्य विद्युत परिषद के कर्मचारियों की समस्याओं को अनदेखी का आरोप

प्रमोद पाण्डेय/

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। उर्जा प्रबंधन तंत्र की वादा खिलाफी से खफा अवर अभियंताध्प्रोन्नति अभियंता सोमवार से 24घंटे का सामूहिक उपवास रखा। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन ने उर्जा प्रबंधन पर बिजली विभाग के कर्मचारियों के समस्याओं को अनदेखी का आरोप लगाया है।जिला अध्यक्ष इंजीनियर प्रवेश कुमार ने बताया कि द्विपक्षीय वार्ता के बावजूद उर्जा प्रबंधन अवर अभियंताओंध्प्रोन्नति अभियंताओं की लंबित मांगों के निराकरण पर जरा भी गंभीर नहीं दिख रहा है। जबकि संगठन की ओर से कई बार प्रयास किए गए। वार्ताएं हुई आश्वासन भी मिला लेकिन समस्याएं जस की तस बनी हुई है। जिससे संगठन को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। जिला सचिव जेई संतोष मौर्य ने बताया कि अभियंताओं की एसीपी दीर्वा में आने वाले नानफक्शनल ग्रेड वेतन 4800के वेतनमान को एसीपी की दीर्वा से हटाकर प्रथम समयबध्द वेतनमान सहायक अभियंता पद का करने,अवर

अभियंता से सहायक अभियंता पद पर प्रोन्नति क्रमिको , जिनके तृतीय एसीपी के आदेश 1जनवरी 2020 और 16अगस्त 2021 को निर्गत किया जा चुका है उनका वेतन निर्धारण निगम में विद्यमान व्यवस्था के क्रम में वेतन पर्ची शीघ्र जारी करने की उर्जा प्रबंधन से मांग की जा रही है। परन्तु कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण अभियंताओं प्रोन्नति अभियंताओं के कार्य क्षेत्र में उत्पन्न हो रही समस्याओं का समाधान न किए जाने पर आज समस्त सदस्य द्वारा 10बजे से 24घंटे का सामूहिक उपवास प्रारंभ किया गया है। इस मौके पर उप खंड अधिकारी जे ई शादाब खां,जेई प्रेम चंद,जेई रमेश मौर्या,जे ई प्रियदर्शी तिवारी,जे ई मोहम्मद तबरेज ,जय प्रकाश,प्रमोद कुमार, नवीन तिवारी, हीरालाल समेत संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र ने करमा ब्लाक इकाई का गठन कर पदाधिकारियों का किया चयन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमाध्सोनभद्र। पूर्व माध्यमिक विद्यालय पगिया पर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र के नवसृजित विकासखंड कर्मा इकाई का गठन हेतु बैठक किया गया जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष हिफाजत

हुसैन ब्लॉक मंत्री सतीश कुमार फुलवारी उपाध्यक्ष धनंजय विश्वकर्मा इंद्रावती देवी रणविजय चौहान सुरेश कुशवाहा संयुक्त मंत्री नवीन कुमार संजय कुमार चंद्रपाल वजूद अहमद कोषा अध्यक्ष जय प्रकाश श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से चुना गया मौके पर सैकड़ों शिक्षक बंधु उपस्थित रहे मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष रवि भूषण सिंह महामंत्री धीरेंद्र पति तिवारी पर्यवेक्षक अनिल सिंह व कमलेश सिंह ने चुनाव संपन्न कराया अध्यक्ष हिफाजत हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि विकासखंड कर्मा के शिक्षक शिक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करता रहूंगा इसके बाद जिलाध्यक्ष रवि भूषण सिंह ने कहा कि हम शिक्षकों की समस्या हेतु शासन सत्ता से हमेशा संघर्ष करते रहेंगे शिक्षकों का हित ही हम सबका कर्तव्य है अंत में महामंत्री ने आए हुए समस्त शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का हुआ वितरण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। तहसील अन्तर्गत विकास खण्ड गोला के घोड़ोंलोटन, बर्राह चौराहे पर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत ल्व्स् प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित बच्चो को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत 42 बच्चो को प्रमाण पत्र का वितरण मुख्य अतिथि विकास कसौद्धन गोला टाउन एरिया के वर्तमान सभासद और पूर्व ग्राम प्रधान कन्हैया लाल की उपस्थित में दिया गया। इस मौके पर ब्ब् संचालक व प्रशिक्षक आनंद कुमार मौर्या की देखरेख में दिया गया। वितरण प्रमाण पत्र उत्तीर्ण बच्चो को दिया गया जिनके नाम इस प्रकार है हरिकेश विजय वर्मा आलोक पाण्डेय अनुराग गुप्ता चन्दन कुमार विकास रुदल कुमार आदि, बच्चो को दिया गया। कार्यक्रम में कोविड–19 प्रोटोकॉल का पुरा पालन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सभासद विकास कसौधन और पूर्व ग्राम प्रधान कन्हैया लाल ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की भी कामना की।

माधौगंज में भाजपा का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन सम्मेलन संपन्न

हरदोई।भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में वक्ताओं ने सपा,बसपा व कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए।वही सरकार की उपलब्धियों को प्रबुद्ध जनों के बीच बखान किया। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन के मुख्य अतिथि कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सपा,बसपा कांग्रेस को साथ देकर साढ़े बारह लाख करोड़ का घोटाला किया। जबसे केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार आई है तबसे गरीबो,शोषितों, वंचितों का विकास हुआ है। प्रधानमंत्री ने जनधन खातों को खोलकर आम गरीबो को आर्थिक व्यवस्था से जोड़ दिया है। अब गरीबो के खाते में सीधे धनराशि पहुंच रही है। जब से देश मे मोदी सरकार आई तबसे आतंकियों को उनके घर मे घुसकर मारा गया। जम्मू कश्मीर से 370 को हटाकर सैनिकों पर की जा रही पत्थर बाजो से मुक्ति दिलाई। विशिष्ट अतिथि सांसद अशोक रावत ने कहा कि मोदी सरकार में देश की सभी सीमाए सुरक्षित बताई।वही अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य व विधान सभा प्रभारी रमेश तूफानी ने कहा कि सरकार ने अपने चार वर्षों में सांस्कृतिक व सामाजिक आयाम स्थापित किया। विधायक आशीष कुमार सिंह ने सांसद सुब्रत पाठक का आभार जताकर सरकार की उपलब्धियां बताई। नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्र,दीप्ति द्विवेदी, उप्र उद्योग व्यापर मंडल के प्रदेश मंत्री प्रदीप जायसवाल,अशोक सिंह,अभय शंकर शुक्ला, संयोजक केपी सिंह भदौरिया, अजीत बब्बन,अविनाश मिश्र प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में विधायक प्रतिनिधि नीरज विद्यार्थी, नवल माहेश्वरी,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा, उमेश,कृष्ण कुमार अवस्थी,आशीष कुमार, राजीव भास्कर, संजय सिंह भदौरिया आदि लोग मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक समुदाय के आर्थिक एवँ सामाजिक विकास हेतु हुआ सेमिनार आयोजन

हरदोई। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संस्था माँ पूर्णा जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा एक गेस्ट हाउस पिहानी रोड में अल्पसंख्यक समुदाय के आर्थिक एवँ सामाजिक विकास हेतु एवँ अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने हेतु दो दिवसीय सेमिनार ध्कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में रोहित सिंह अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि वक्फ निरीक्षक रूपेश कुमार शुक्ला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार, सेमिनार में 50 अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आलम रब्बानी एवँ मोहम्मद समी जी रहे।इनके साथ अन्य वक्ता नूर आलम राहुल श्रीवास्तव, राकेश सिंह, मोहम्मद इकराम आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता ने अपने सम्बोधन में बताया कि सरकार की मंशा है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ सभी को मिले। इसके लिए सभी को शिक्षा जरूरी है। अन्य समुदाय की अपेक्षा आप लोगों की समुदाय में जागरूकता का अभाव है।इसीलिए सरकार ने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के लिए सेमिनार के आयोजन के लिए निर्देशित किया है। मुख्य वक्ता आलम रब्बानी एवँ समी ने सभी योजनाओं को विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि आप लोगों को संस्था की तरफ से बहुत ही जरूरी जानकारी दी जा रही है।

पुलिस ने पिकअप पकड़ दो चोरी की भैंसें बरामद की

हरदोई। पुलिस ने दो चोरी की भैंसे व पिकप गाड़ी समेत पांच लोगों को पकड़ा। बिलग्राम तिराहा बाइपास पर पिकअप से कन्नौज की ओर लेजाई जा रही थीं।प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम पुलिस ने गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक पिकअप को कन्नौज तिराहे पर पकड़ा जिसमें 2 भैंसों समेत 5 व्यक्ति सवार थे। पुलिस ने जांच की तो पता चला ये दोनों भैसें चोरी की हैं। जिसके बाद पुलिस ने सबको थाने में बैठाकर पूछताछ की। हिरासत में लिए गए लोगों में एक ने अपना नाम शादाब उर्फ ठोसे निवासी मोहल्ला मैदानपुरा,दूसरा शीबू उर्फ इस्तिखार मोहल्ला खुर्दपुरा बिलग्राम बताया। तीसरे ने कल्लू उर्फ अहसान निवासी काजीपुरा बिलग्राम के रूप पहचान कराई।चौथे आरोपी सद्दाम उर्फ सद्दा निवासी मोहल्ला काजीपुरा थाना बिलग्राम के रूप में अपना पता बताया।पांचवें आरोपी व गाड़ी चालक मेराज ने अपना पता मोहल्ला सुल्हाड़ा बताया।पुलिस ने तस्दीक करते हुए पांचों आरोपियों के अपराध खंगालने शुरू किए तो शादाब पर एक अन्य चोरी व अवैध शराब का मुकदमा दर्ज पाया गया, वहीं कल्लू पर पांच चोरी व एक गैंगस्टर की रिपोर्ट कोतवाली बिलग्राम में दर्ज पाई गयी है। सभी आरोपियों को भैंस चोरी के आरोप में जेल भेजा गया है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय संप्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

हरदोई।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अलका पाण्डेय ने बताया कि राजकीय सम्प्रेक्षण ग्रह हरदोई का निरीक्षण तथा संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक अधिकार तथा मौलिक कर्तव्य विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान किशोर बैरकों की साफ–सफाई का जायजा लिया गया उन्होने बच्चों के रहन–सहन से लेकर खान–पान,दवा इलाज, निः शुल्क अधिवक्ता तथा पढ़ाई–लिखाई के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान हरदोई के– 53,लखीमपुर के खीरी के–47,सीतापुर के 40 और गोरखपुर का 1 बच्चा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में मिला। अध्यापक ओमवीर सिंह, आयुष्मान द्विवेदी, सुमित तिवारी तथा रबी कुमार मौके पर पढ़ाते हुए मिले उन्होने सुदृढ़ व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। तत्पश्चात सचिव द्वारा संविधान की प्रस्तावना तथा मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी उन्होने बच्चों को संविधान में वर्णित अधिकार–समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरूद्ध अधिकार, भाषा बोलने का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होने कहा कि सभी लोग मिलजुल कर रहें और एक अच्छे नागरिक बने और जब यहाँ से जाये सारी बुराइयों से बचकर पढ़ाई–लिखाई पर विशेष ध्यान दें। किसी प्रकार की कोई गलती न करें। इस अवसर पर प्रभारी अधीक्षक राकेश कुमार सक्सेना व अन्य कर्मचारी तथा मुख्यालय पी. एल. वी. कमलेश कुमा उपस्थित रहे।

सैनिक ढाबे पर दबंगों ने युवकों से मारपीट कर ताना तमंचा

हरदोई।पाली रुपापुर रोड पर पेट्रोल पंप के पास स्थित सैनी ढाबा पर देर शाम को खाना खाने गए। दो युवकों को पहले से खाना खा रहे दबंगों ने लाठी–डंडों से पीटा और भौकाल बनाने के उद्देश्य से दबंगों ने युवक के सीने पर तमंचा तान दिया।

शोरगुल सुनकर भीड़ को इकट्ठा होता देख दबंग जान से मारने की धमकी देते हुए साथियों के साथ फरार हो गए। पाली थाना क्षेत्र के खनिकलाजहानपुर निवासी सूरज पुत्र कृष्णा कांत मिश्रा द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि देर शाम वह अपने साथी हर्ष पाठक के साथ सैनी ढाबे पर खाना खाने गये, वहां पहले से भहापुर गांव निवासी सुरजीत पुत्र बिकट अपने अन्य चार साथियों के साथ खाना खा रहा था। किसी बात को लेकर कहासुनी उसके बाद दबंग सूरज मिश्रा व हर्ष पाठक को मारने पीटने लगे। उसके बाद भौकाल बनाने के उद्देश्य से सुरजीत के एक साथी ने तमंचा निकालकर सेवकों के सीने पर तान दिया।शोरगुल सुनकर भीड़ को इकट्ठा होता देख दबंग युवक अपने साथियों के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस संबंध में जब प्रभारी निरीक्षक दीपक शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नामजद युवक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही तमंचा हटाने वाला युवक भी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

दावत में ना आने से नाराज दबंगों ने घर में घुस कर मारा

हरदोई।मंझिला थाना क्षेत्र के कुइयां गांव है,जहां सत्यपाल के घर दावत थी। सत्यपाल ने खाने के लिए सूरज बली व हरिओम पुत्र घनश्याम को आमंत्रण दिया था, लेकिन वह खाने नहीं गया। इस बात से नाराज होकर सत्यपाल पुत्र मुंशी, जितेंद्र पुत्र सत्यपाल, प्रताप पुत्र मुंशी,अमित पुत्र रामप्रताप,नीरू पुत्र रामप्रताप इन सब लोगों ने जातिसूचक गालियां देते हुए दरवाजे पर आकर सूरज बली व हरि ओम को लाठी–डंडों से मारा–पीटा व औरतों को गंदी गंदी गालियां देते रहे।शोरगुल और मारपीट की आवाज सुनते ही पड़ोस में रहने वाले अशोक सिंह पुत्र भैयन्नू सिंह और उनकी पत्नी बचाने के लिए गए फिर सब लोग वहां से भाग गए और जान से मार डालने की धमकी देते हुए भाग गए। मारपीट में सूरज बली का हाथ टूट गया तथा हरिओम का सर फट गया।यह मामला करीब रात 11:00 बजे का है। मझिला थाना प्रभारी ने बताया।कि मामले की जांच हो रही है जो भी जांच में दोषी पाए जाएंगे उन्हें सजा मिलेगी।

भाजपा सरकार में देश के हर वर्ग ने की उन्नति : डा. महेंद्र सिंह

प्रबुद्ध सम्मेलन को कैबिनेट मंत्री, जलशक्ति विभाग ने किया संबोधित

सीतापुर। भारत हमेशा से विश्व गुरु रहा है एक समय था जब शिकागो में भारत के एक नागरिक स्वामी विवेकानंद ने भाषण दिया और पूरा विश्व उनके पीछे चल पड़ा था। भारत सोने की चिडिया तब तब रहा जब जब उस पर भारतीयों ने राज किया। मुगलों अंग्रेजों ने भारत की एकता और अखंडता को कुचलना चाहा पर वह कुचल नहीं पाए। आजादी के लिए हमारे पुरखों ने अपने खून से देश को सींचा है। यह बात गुरु कृपा गेस्ट हाउस में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री, जलशक्ति विभाग डॉक्टर महेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रबुद्धजनों को संबोधित करते कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा से जनता के लिए समर्पित रही है। एक समय था जब भारत की सरकारें अंर्तराष्ट्रीय लोन का ब्याज चुकाने में भी असमर्थ थी और आज का समय है कि भारत सरकार कई देशों को लोन देने में सक्षम हैं। यह सब भाजपा सरकार में ही संभव हो सका है। घपले बाज और बिचौलियों से बचने के लिए हर गरीब का खाता बैंक में खोला गया ताकि हर योजना का सीधा लाभ एक एक नागरिक को मिल सके। सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 50 लाख गरीबों को पक्का मकान भाजपा सरकार ने उपलब्ध कराया। पहले की सरकारों में दो–दो, तीन–तीन दिन लाइट नहीं आती थी, कनेक्शन लेने के लिए लोगों को पैसा देना पड़ता था और फिर भी बिजली की आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं हो पाती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौभाग्य योजना के तहत घर घर बिजली पहुंचाने का काम मुफ्त में किया है। सिर्फ उत्तर प्रदेश में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को बिजली मिली। किसी भी गरीब का इलाज हो सके इसके लिए 5 लाख का निरूशुल्क बीमा दिलाने का काम भी भाजपा सरकार ने किया है। पार्टी में भाजपा का जो भी मूल कार्यकर्ता है वह सदैव पार्टी से जुड़ा रहेगा। पार्टी ने सदैव कार्यकर्ताओं का और अपने प्रबुद्ध जनों का सम्मान किया है जोकि हमेशा रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन और वंदे मातरम के साथ हुई। जिसके बाद मंडल अध्यक्षों, अधिवक्ताओं और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि डॉक्टर महेंद्र सिंह का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने भी मुख्य अतिथि को मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया। मंचासीन सांसद राजेश वर्मा ने कहा की यह सौभाग्य की बात है की आसाम में सरकार बनवाने वाले और कुशल नेतृत्व के धनी डॉक्टर महेंद्र सिंह हमारे बीच पहुंचे मैं उनका ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मल्होत्रा ने कहां कि मुख्य अतिथि के उद्बोधन से हम लोगों में जोश और भी ज्यादा हो गया है पार्टी का हर एक कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ को जिताने का कार्य माननीय मुख्य अतिथि के नेतृत्व में करेगा। कार्यक्रम का संचालन जया सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा, पूर्व एमएलसी भरत त्रिपाठी, भाजपा नेता राहुल मिश्रा, जिला महामंत्री विश्राम सागर राठौर, पूनम मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष नीरज वर्मा झल्लर, विधानसभा प्रभारी विनय प्रताप सिंह, जिला महामंत्री रोहित सिंह, नैमिष रतन तिवारी, राजेश शुक्ला, ललित श्रीवास्तव चंचल, अशोक राठौर, पवन सिंह शिल्पी, शुभम पांडेय, अधिवक्ता विजय अवस्थी, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कंचन प्रभा पांडे, उपाध्यक्ष युविका प्रसून गुप्ता, इंदू सिंह चौहान, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सचिन मिश्रा, भंवर सिंह, अनिल सिंह, राहुल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मोइन मुखिया बने अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष

बिसवां नगर (सीतापुर)। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष मो. शफीक खान के द्वारा मोईन मुखिया को अल्पसंख्यक सभा का बिसवां नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बिसवां के बड़े चौराहे पर स्थित सपा कार्यालय पर एक बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष ने मोईन मुखिया को मनोनयन पत्र देकर क्षेत्र में समाजवादी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मोईन मुखिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के द्वारा जो जिम्मेदारी दी गयी है। उन पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे एवं समाजवादी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार में ही अल्पसंख्यक वर्ग का विकास संभव है। इस वासर पर पूर्व सपा प्रत्याशी अफजाल कौसर ने माल्यार्पण कर मोईन मुखिया को बधाई दी। इस दौरान अनिल मिश्र, मुर्तिजा अंसारी, जीशान खां, मोहम्मद आसिफ , जुबेर मंसूरी, चांद अंसारी, मुन्न, गफ्फार खान आदि सपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

महंगाई के जरिए गरीबों को और गरीब बनाने पर तुली है सरकार : राना खातून

आजमगढ़। मिशन उत्तर प्रदेश 2022 को सफल बनाने के लिए कांग्रेस प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के निर्देश परर को हर गांव कांग्रेस अभियान के तहत कांग्रेस नेत्री राना खातून के नेतृत्व में सगड़ी विधानसभा क्षेत्र के लाटघाट, मिश्रपुर , मोतीपुर, नरहन खास, बेलसर मोहम्मदपुर, दिलशादपुर, अजगरा, भटौली इब्राहिमपुर ग्राम पंचायत में कांग्रेस पार्टी की ग्राम कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अभिजीत सिंह, श्रीराम यादव , हीरा शर्मा, पप्पू राम, राजू गौड़, सत्येंद्र विश्वकर्मा जितेंद्र कुमार ,अनूप मौर्या सहित सैकड़ों लोगों ने कांग्रेसी की सदस्यता ली। कांग्रेस नेत्री राना खातून ने बताया कि कांग्रेश प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर सगड़ी विधानसभा क्षेत्र में हर गांव कांग्रेस अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम कमेटी का गठन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 2 सितंबर से प्रारंभ है जो 22 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि वह सगड़ी क्षेत्र के विभिन्न गांव में जाकर ग्राम कमेटी का गठन कर रही है इस दौरान लोगों से बातचीत करने का मौका भी मिल रहा है उन्होंने बताया कि लोग बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त हैं, खाद्य तेलों और गैस के दामों में अत्यधिक वृद्धि के कारण लोगों का घर चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महंगाई के जरिए गरीबों को और गरीब बनाने में लगी हुई है।

पेड़ पर फांसी लगाकर झूला युवक

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव निवासी एक युवक ने घर के समीप गूलर के पेड़ से लटककर अपनी जान दे दिया। युवक ने सुसाइड नोट में बीमारी के कारण यह आत्मघाती कदम उठाने की स्पष्ट करते हुए परिवार से बच्चों की परवरिश करने की बात कही है। सूचना पर सुबह पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।पुलिस ने बताया बताया गया कि प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की वजह बीमारी सामने आई है। परेशान होने के बाद उसने यह कदम उठाया है। हालांकि, परिजनों के शिकायत पत्र के अनुसार की पुलिस जांच के लिए कदम उठाएगी। मुस्तफाबाद गांव निवासी झिंगुरी यादव के तीन पुत्रों में 40 वर्षीय सुभाष यादव की तबियत बीते कुछ दिनों से खराब थी। परिवारजनों के अनुसार सुभाष जिले के एक प्राइवेट चिकित्सक को दिखाने गए थे। चिकित्सक ने किडनी में पथरी की शिकायत बताई थी। उसी बात से परेशान सुभाष घर पहुंचा। उसी बात से परेशान युवक घर के समीप एक गूलर के पेड़ पर चढ़कर रात्रि में चद्दर का फंदा बनाकर गले में डालकर झूल गया। सुबह परिजनों ने शव को लटकता हुआ देखा तो परिवार में चीख पुकार मच गई थी।

हिन्दी बोलने से आता है अपनापन

जौनपुर। राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में हिन्दी दिवस पखवाड़ा समारोह का अयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। मुख्य अतिथि प्राचार्य कैप्टन अखिलेश्वर शुक्ला ने कहाकि विश्व का कोई भी देश जो विकसित हुआ है अपनी भाषा को अपनाकर ही विकसित हुआ है। हमें अपनी संस्कृति सभ्यता, परम्परा के साथ–साथ अपनी मातृभाषा को अपनाना होगा तभी हम प्रगति कर विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त कर सकेगें। विशिष्ट अतिथि डॉ0 ज्योत्सना श्रीवास्तव ने कहा कि जो सम्मान संस्कृति और अपनापन हिन्दी बोलने से आता है वह अंग्रेजी में दूर–दूर तक दिखाई नहीं देता है। डॉ0 सुनीता गुप्ता, ने कहा कि हिन्दी भाषा इतनी समृद्धिशाली है कि अन्य कोई भाषा इतनी समृद्धि नहीं है। डॉ0 श्याम सुन्दर उपाध्याय ने कहा कि जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नति नहीं कर सकता। डॉ0 लाल साहब यादव ने भी हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी भाषा पर प्रकाश डाला। डॉ0 रागिनी राय ने हिन्दी के महात्म्य को बताते हुए कहा कि हिन्दी हमारी भावना को अभिव्यक्त करने का सरलतम स्रोत है। डॉ0 मधु पाठक ने कहा कि अपनी मातृभाषा को मातृभाषा बनाये, मात्र भाषा बनाकर मृत भाषा न बनाये। हिन्दी भाषा प्रेम और आत्मीयता की भाषा है। अध्यक्षता करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं मुख्य अनुशास्ता डॉ0 सुधा सिंह ने कहा कि हिन्दी भाषा देश को सम्पर्क सूत्र में बांधने का एक सशक्त माध्यम है। हमारा संवाद विचार–विमर्श, पठन–पाठन एवं लेखन बेहिचक हिन्दी में होना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की हीन भावना से ग्रसित होने की आवश्यकता नहीं है। डॉ0 अनामिका सिंह, डॉ0 नीता सिंह, डॉ0 अनीता सिंह, डॉ0 गगनप्रीत कौर, डॉ0 गुंजन मिश्रा, डॉ0 नमिता श्रीवास्वत, डॉ0 मनोज वत्स, डॉ0 संतोष कुमार पाण्डेय, डॉ0 अतुल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जल्द निर्धारण हो शिक्षकों की वरिष्ठता सूची: अमित

जौनपुर। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौपा।प्रतिनिधिमंडल के साथ– साथ जिलाध्यक्ष ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल को अवगत कराया कि जिले में प्राथमिक शिक्षकों का पदोन्नति जून 2009 व उच्च प्राथमिक शिक्षकों का वर्ष 1994 तक ही पदोन्नति हुई है। उन्होंने बीएसए को बताया कि बेसिक शिक्षा मंत्री द्वारा जल्द ही प्रदेश में परिषदीय शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ करने की तैयारी की घोषणा की गयी है। मांग किया कि जिले के परिषदीय शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जल्द से जल्द तैयार कर लिया जाए जिससे शासनादेश जारी होते ही पदोन्नति प्रक्रिया को सम्पन्न करा ली जाए। प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए की ज्ञापन भी दिया। ज्ञापन के माध्यम से बेसिक शिक्षा अधिकारी से मांग की कि बीआरसी से विद्यालय के लिए निःशुल्क पुस्तक ढुलाई दो साल से नही मिला है। धुलाई के पैसे को तत्काल प्रधानाध्यापकों को उनके विद्यालय के प्रबंध समिति के खाते में प्रेषित किया जाय। उपरोक्त मांगों को गंभीरता से लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद के शिक्षकों की वरिष्ठता सूची तैयार करने के लिए डीआई जयकुमार यादव व वरिष्ठ सहायक कार्यालय सहायक विजय शंकर को निर्देशित किया तथा निःशुल्क पुस्तक ढुलाई के भुगतान की प्रक्रिया को संपादित करने के लिए सहायक वित्त लेखाधिकारी को निर्देशित किय जिला मंत्री सतीश पाठक जिला संयुक्त मंत्री शैलेन्द्र सिंह जिला संगठन मंत्री अश्वनी सिंह संतोष बघेल जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह टोनी ब्लाक अध्यक्ष बक्शा सरोज सिंह उपस्थित रहे।

ओमप्रकाश के निधन से समाज से क्षति

जौनपुर। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चन्द श्रीवास्तव ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव के मियांपुर आवास पर पहुंच कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों से मुलाकात कियाद्य क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा महेश चन्द श्रीवास्तव ने कहा कि ओमप्रकाश श्रीवास्तव बाबू जी के निधन से समाज की गहरी क्षति हुई है उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया था राजनीति के क्षेत्र में उनका बड़ा नाम था उनके निधन पर मैं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। क्षेत्रीय महामंत्री आशुतोष पॉल कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष नीलमणी श्रीवास्तव रवि श्रीवास्तव , राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया , पीयूष गुप्ता पंकज श्रीवास्तव हैप्पी सुमित श्रीवास्तव सुलभ श्रीवास्तव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव अंकित श्रीवास्तव मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में दो घायल एक गंभीर

साण्डा (सीतापुर)। सकरन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेमराखुर्द बाजार के निकट सांडा से एफ सीआई गोदाम से खाद्यान्न लेकर बगहाढांक गांव को जा रही ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार सूरज पुत्र मनोहर उम्र 28 वर्ष और सोनू पुत्र झब्बा लाल उम्र 30 वर्ष निवासी सकरन खुर्द किसी काम से कम्हरिया खुन खुन जा रहे थे। सेमराखुर्द बाजार से कुतबापुर गांव के बीच सड़क पर ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करते समय गंभीर रूप से घायल हो गये। सकरन थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई थी दोनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी सांडा लाया गया। जहां पर सूरज को हेड इंजरी के चलते जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं सोनू का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडा पर इलाज चल रहा है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

ऐश्वर्या को थलाइवी में अपने किरदार में देखना चाहती थीं जयललिता

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म थलाइवी को लेकर चर्चा के केंद्र में बनी हुई हैं। यह फिल्म 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में कंगना ने अपने अभिनय से प्रशंसकों को प्रभावित किया है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि अपनी बायोपिक फिल्म थलाइवी में कंगना जयललिता की पहली पसंद नहीं थीं। जयललिता चाहती थीं कि उनका किरदार अभिनेत्री ऐश्वर्या राय निभाए। दिग्गज अभिनेत्री सिमी गरेवाल ने यह किस्सा सोशल मीडिया पर साझा किया है।

हाल में कंगना द्वारा आयोजित की गई फिल्म के लिए विशेष स्क्रीनिंग में सदाबहार अभिनेत्री सिमी ने शिरकत की थी। थलाइवी को देखने के बाद उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फिल्म को लेकर अनुभव साझा किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, मैं कंगना की कट्टरपंथी टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती। मैं उनकी अभिनय प्रतिभा का समर्थन करती हूं। फिल्म में उन्होंने दिल और आत्मा से किरदार निभाया है।

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, जयललिता जी चाहती थीं कि ऐश्वर्या उनका किरदार निभाए। मेरा मानना है कि कंगना के किरदार को जयललिता ने मंजूरी दे दी है। फिल्म की रिलीज के कुछ छंटे बाद ही सिमी ने यह प्रतिक्रिया दी है। जयललिता ने ही एक इंटरव्यू में सिमी को कहा था कि वह अपनी बायोपिक में खुद की भूमिका में ऐश्वर्या को देखना चाहती हैं। 1999 में सिमी को दिए इंटरव्यू में जयललिता ने यह खुलासा किया था।

थलाइवी रिलीज के दिन ही ऑनलाइन लीक हो गई है। फिल्म का पायरेटेड वर्जन कई प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में उपलब्ध है। फिल्म में कंगना को तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता के किरदार में देखा गया है। एएल विजय के निर्देशन में बनी फिल्म की पटकथा केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है। फिल्म में एमजीआर की भूमिका में अभिनेता अरविंद स्वामी, एम करुणानिधि के किरदार में प्रकाश राज और जयललिता की मां संध्या के किरदार में भाग्यश्री को देखा गया है।

थिएटर में रिलीज होने के बाद यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर हिन्दी में रिलीज होगी। कंगना की थलाइवी को तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे विभिन्न भाषाओं में पूरे देश के लोग देखेंगे। कोरोना महामारी के कारण थलाइवी की रिलीज को कई बार टाला जा चुका है। यह फिल्म पहले इस साल 23 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी।

ऐश्वर्या के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता अभिषेक बच्चन से शादी करने के बाद फिल्मों में उनकी सक्रियता कम हुई है। ऐश्वर्या तमिल फिल्म पोन्नियिन सेल्वन से चार साल बाद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी वापसी करेंगी। कंगना मणिकर्णिका रिटर्न्सरू द लैजेंड ऑफ दिद्दा और तेजस में नजर आने वाली हैं। भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित कंगना की फिल्म इमर्जेंसी भी चर्चा में है। फिल्म की निर्देशक और प्रोड्यूसर कंगना ही हैं।

बंटी और बबली 2 फिल्म से अपना डेब्यू करने से पहले बड़े ब्रांड से जुड़ीं शरवरी

शरवरी ने बहुप्रतीक्षित फिल्म श्बंटी और बबली 2च से अपना डेब्यू करने के पहले ही एक और बड़ी विज्ञापन डील हासिल कर ली है. उनको एले 18 ने अनुबंधित किया है. भारत में पॉन्ड्स के

नए चेहरे के रूप में साइन किए जाने के ठीक बाद यह खबर आई है. अपनी झोली में दो विशाल ब्रांड हासिल कर लेने और आदित्य चोपड़ा के साथ हुई तीन–फिल्मों की डील की बदौलत शरवरी यकीनन एक गौर करने लायक टैलेंट बन गई हैं. एक ट्रेड सूत्र ने सूचना दी है. सूत्र का कहना है, श्यह सच्चाई है कि सभी की निगाहें शरवरी पर टिकी हुई हैं. वह टैलेंटेड हैं, कबीर खान की श्द फॉरगॉटन आर्मीच्च में किए गए अपने परफॉर्मेंस के लिए बड़ी तारीफ हासिल कर चुकी हैं, वह बला की खूबसूरत दिखती हैं और आने वाले वर्षों में एक बड़ा स्टार बनने के लिए आदित्य चोपड़ा द्वारा उन्हें संवारा जा रहा है. वाईआरएफ शरवरी की काबिलियत से बखूबी वाकिफ है और वह बड़ी फिल्मों तथा महंगी विज्ञापन डील के सहारे उन्हें आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है:च शॉन्ड्स और एले 18 की असंख्य लोगों तक व्यापक पहुंच है और इनके साथ हुई डील से यह सुनिश्चित होगा कि शरवरी अपने डेब्यू से पहले ही पूरे भारत में एक जाना–पहचाना नाम बन जाएंगी. शरवरी को लेकर जल्द ही एक बड़ी फिल्म की घोषणा भी होने जा रही है और यह इंडस्ट्री में एक बार फिर चर्चा का विषय बन जाएगी. शरवरी ऐसी शख्सियत हैं, जिनको इंडस्ट्री बड़े करीब से फॉलो कर रही है. चर्चा यह भी है कि श्बंटी और बबली 2 के सिनेमाघरों में रिलीज होने पर वह हम सभी को चौंका देंगी:च बंटी और बबली 2 की बात करें तो फिल्म में सैफ अली खान, रानी मुखर्जी और सिद्धांथ चतुर्वेदी भी लीड रोल में हैं. बता दें कि ये फिल्म बंटी और बबली का दूसरा पार्ट है. इससे पहले वाली फिल्म में रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन लीड रोल में थे. बंटी औप बबली 2 पहले इसी साल अप्रैल में रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर कोविड की वजह से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई. अभी फिल्म की नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट नहीं हुई है.

अगर आप एक ही मास्क को बिना धोए लगातार पहनते हैं तो हो सकते हैं ये साइड इफेक्ट्स

एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोरोना से बचने और संक्रमण की चेन को तोडने के लिए सभी लोगों को सतर्कता बरतनी होगी। जिन लोगों को वैक्सीन लग चुकी है उन्हें भी सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे में लोगों से लगातार मास्क पहनने की अपील की जा रही है। हालांकि लंबे समय तक मास्क पहनने से भी लोगों की सेहत पर नकारात्मक असर दिख रहा है। कई लोगों को ज्यादा लंबे समय तक मास्क पहनने से कई तरह की एलर्जी हो रही हैं। अगर आप एक ही मास्क को बिना धोए और सेनिटाइज किए लगातार पहनते हैं तो इसके साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। जानते हैं लगातार मास्क पहनने से कौन समस्याएं हो रही हैं.... 1. कई लोगों को लगातार मास्क पहनने से अलग–अलग तरह की स्किन एलर्जी होने लगी है। 2. लोगों को सबसे ज्यादा मास्क पहनने वाली जगह पर पिंपल्स जैसे दाने की समस्या हो रही है। 3. कई लोगों को लगातार मास्क लगाने से पसीने आते हैं और फिर मास्क वाली जगह पर रेडनेस की समस्या हो रही है।

4. लंबे समय तक मास्क पहनने से कुछ लोगों को खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो रही है। 5. लंबे समय तक एक ही मास्क पहनकर घूमने से इंफेक्शन का खतरा और बढ़ जाता है। 6. ऐसी स्थिति में कोरोना वायरस आपके मास्क पर बैठ सकता है।

7. जब आप बिना धोए दोबारा उसी मास्क का इस्तेमाल करते हैं तो इससे इनफेक्शन हो सकता है। 8. एक्सर्ट्स ने चिंता जाहिर की है कि गंदे मास्क लगाने से आपको ब्लैक फंगस का खतरा भी हो सकता है।

9. बेहतर होगा कि आप सर्जिकल मास्क का इस्तेमाल करें। जिसे एक बार इस्तेमाल करने के बाद फेंक दें।

10. अगर आपकी स्किन संवेदनशील है तो आप कपड़े का मास्क भी लगा सकते हैं। कपड़े के मास्क को एक बार पहनने के बाद वॉश जरूर करें।

दिव्या दत्ता ने शर्माजी की बेटी में माधुरी दीक्षित को किया रिप्लेस?

धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया है। माधुरी की एक्टिंग और नृत्य ने लाखों प्रशंसकों को उनका मुरीद बनाया है। वह काफी समय से ताहिरा कश्यप की फिल्म शर्माजी की बेटी को लेकर चर्चा में थीं। अब जानकारी सामने आ रही है कि माधुरी इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। खबरों की मानें तो शर्माजी की बेटी में माधुरी को अभिनेत्री दिव्या दत्ता रिप्लेस कर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ताहिरा की शर्माजी की बेटी में माधुरी की जगह अब दिव्या को शामिल किया जा सकता है। कहा जा रहा है कि क्रिएटिव डिफरेंसेज के कारण माधुरी अब फिल्म से बाहर हो गई हैं। मेकर्स और माधुरी के बीच क्रिएटिव लेवल पर इतने मतभेद हो गए थे कि अब अभिनेत्री ने फिल्म से बाहर होने का फैसला किया है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

एक सूत्र ने कहा, पिछले साल फिल्म की पटकथा तैयार कर ली गई थी। दिव्या को निर्माताओं द्वारा माधुरी को ऑफर की गई भूमिका निभाने के लिए कास्ट किया गया है। फिल्म शर्माजी की बेटी आज के दौर की एक आधुनिक मध्यमवर्गीय महिला के अनुभव पर आधारित है। समीर नायर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगे। इस फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या और सैयामी खेर नजर आएंगी।

इस फिल्म में शहरी महिलाओं के जीवन की एक अद्भुत झलक देखने को मिलेगी। शर्माजी की बेटी ताहिरा की पहली फिल्म है। हाल के साक्षात्कारों में उन्होंने खुलासा किया था कि फिल्म की कहानी और पात्र उनके व्यक्तित्व के विस्तार की तरह हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई और चंडीगढ़ में शुरू हुई थी। ताहिरा के पति और अभिनेता आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिछले महीने फिल्म की घोषणा की थी।

माधुरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज फाइंडिंग अनामिका में जल्द देखा जाएगा। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को साइन कर लिया है। वहीं, दिव्या भी कई फिल्मों में नजर आ सकती हैं। उन्हें रजनीश घई की धाकड़, सुभाष कपूर की मोगुल और उमेश शुक्ला की आंख मिचोली में देखा जाएगा। वह अनुभव सिन्हा की फिल्म अभी तो पार्टी शुरू हुई है को लेकर भी चर्चा में रही हैं।

अगर आप भी टमाटर खाने के शौकीन हैं तो जान ले इसके साइड इफेक्ट

अगर हां, तो आपको यह खबर जरूर पढनी चाहिए। अगर आप हर दिन टमाटर का सेवन करते हैं, तो सावधान होने की जरूरत है। टमाटर का अत्यधिक इस्तेमाल आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। आज आपको टमाटर से होने वाले नुकसानों के बारे में बताएंगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि टमाटर का अत्यधिक इस्तेमाल आपको बीमार बना सकता है। इसके साइड इफेक्ट के बारे में जान लेते हैं। टमाटर ज्यादा खाने से हो सकती हैं ये परेशानियां.

अगर आप जरूरत से अधिक मात्रा में टमाटर खाते हैं तो यह पाचन संबंधी परेशानियों से लेकर किडनी की समस्याओं और डायरिया का कारण बन सकता है।

इसके बारे में विस्तार से जान लेते हैं।एलजीर्रू जिन लोगों को एलर्जी की समस्या है, उन्हें टमाटर का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। कुछ लोगों को टमाटर से एलर्जी हो सकती है। टमाटर से एलर्जी वाले लोगों के गले में जलन, चेहरे पर सूजन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

जोड़ों का ददर्रू ज्यादा टमाटर खाने से जोड़ों में दर्द और सूजन की परेशानी हो सकती है। ऐसे में जो लोग जोड़ों में दर्द से जूझ रहे हैं, उन्हें टमाटर खाने से बचना चाहिए। इसके अलावा जो लोग शरीर के दर्द से जूझ रहे हैं, उन्हें भी टमाटर कम खाने चाहिए।

किडनी की पथरीरू आज के दौर में किडनी की पथरी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। वहीं कई रिसर्च में सामने आया है कि बहुत अधिक टमाटर खाने से शरीर में किडनी की पथरी बन सकती है। इस बारे में ज्यादा जानकारी के लिए एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं।